॥ श्री हरि शरणम्॥

Website : www.amritdarshan.com

RNI No. MPHIN/2012/43555

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

रायसेन, मंगलवार, 01 अप्रैल 2025 • वर्ष - 12 • अंक - 273 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

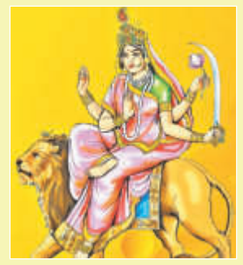

तृतीय दिवस :
मां चंद्रघंटा देवी

पिण्डज प्रवरारूढ़ा
चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं
चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥

संक्षिप्त समाचार

नर्मदा मैया ने किया है दोनों राज्यों को समृद्ध : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार की शाम स्टेट हैंगर भोपाल पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और

गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी के आगमन पर उनका पुष्प-गुच्छ और अंगवस्त्र से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल और गृह मंत्री संघवी को राजा भोज की प्रतिमा भेंट की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा मैया ने मध्यप्रदेश और गुजरात को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। मध्यप्रदेश में अनेक नगरों में बड़ी संख्या में गुजराती बंधु निवास करते हैं। गुजरात के साथ ही मध्यप्रदेश से भी अन्य देशों तक जाकर गुजराती समाज के उद्यमियों और प्रोफेशनल्स ने परिश्रम से स्थान बनाया है। गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वागत से भाव-विभोर होकर कहा कि उन्हें यहां आकर आत्मीयता का अहसास हुआ है। गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच परस्पर सहयोग की सुदृढ़ परम्परा है। सदाकाल गुजरात-भोपाल के माध्यम से इन संबंधों में नया आयाम जुड़ रहा है।

मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं पर पथराव, अलाउद्दीन के घर की छत पर नजर आए पत्थरबाज

दरभंगा। दरभंगा जिले में शनिवार को एक दुर्गा मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं पर पथराव की घटना सामने आई है। यह घटना कुशेश्वर स्थान थाना क्षेत्र के केवटगामा पंचायत के पछियारी गांव में हुई। पथराव का आरोप दूसरे समुदाय के कुछ लोगों पर लगाया गया है, जिसके बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चैत्र नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालु दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान कथित तौर पर एक घर की छत से उन पर पत्थर फेंके गए। मीडिया रिपोर्ट्स में मोहम्मद अलाउद्दीन के घर की छत से पत्थरबाजी की बात कही जा रही है। पथराव के कारण श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई और महिलाएं इधर-उधर भागने लगीं, जिनमें से कुछ गिरने से घायल भी हो गईं।

देवास टेकरी पर 300 फीट ऊंची चोटी पर बहन के साथ विराजीं तुलजा भवानी

देवास ■ प्रतिनिधि

मध्यप्रदेश के देवास में मां चामुंडा और तुलजा भवानी जिस पहाड़ी पर विराजमान हैं, वह समुद्र तल से 300 फीट की ऊंचाई पर है। मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को 300 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। भक्त रपट मार्ग और रोप वे से भी टेकरी तक पहुंच सकते हैं।

दोनों माता के दर्शन के लिए ऊपर भक्तों को 1 किमी लंबे परिक्रमा मार्ग से गुजरना होता है। परिक्रमा पथ पर हनुमान मंदिर, अष्टभुजा मंदिर, अन्नपूर्णा माता मंदिर, खो-खो माता मंदिर के भी दर्शन होते हैं। दोनों माताएं देवास रियासत की कुलदेवी हैं।

माता का रक्त गिरा इसलिए रक्तपीठ कहलाया- मुख्य पुजारी मुकेश नाथ ने बताया कि मंदिर का इतिहास करीब ढाई हजार साल पुराना है। यहां देवताओं का वास है इसलिए इसे देवास कहा जाता है। जहां मां के अंग गिरे, वह शक्तिपीठ हो गया। जहां रक्त गिरा, वह रक्तपीठ कहा गया। उन्हीं में से एक रक्तपीठ देवास में है। यहां देवी मां का रक्त गिरा था इसलिए यहां मां चामुण्डा का प्राकाट्य हुआ।

देवास टेकरी पर एक किमी लंबा परिक्रमा पथ है। भक्त इस मार्ग से अलग-अलग मंदिरों तक पहुंचकर देवी-देवताओं का आशीर्वाद लेते हैं। पूरे परिक्रमा पथ पर कॉरपेट बिछाया गया है। पानी के लिए जगह-जगह मटके रखे गए हैं। छाया के लिए टीन शेड और टेंट हैं। पूरी पहाड़ी को रंग-बिरंगी लाइट्स से सजाया गया है। सभी मंदिरों की सजावट फूलों से की गई है।

यहां 9 माताओं की उत्पत्ति हुई- ऐसी मान्यता है कि यहां नौ माताओं की उत्पत्ति हुई- तुलजा भवानी, चामुंडा, पार्वती, विजयासन, कालिका, अष्टभुजा, अन्नापूर्णा, खो-खो माता और अंबे माता। जब मां का यहां रक्त गिरा, तब तुलजा भवानी और चामुंडा माता साथ में थीं। दोनों माता, जहां अभी तुलजा भवानी विराजित हैं, यहीं पर खड़ी थीं।

बड़ी माता और छोटी माता के बीच बहनों का रिश्ता है। दोनों में कुछ बात को लेकर मतभेद हो गया। इसके चलते दोनों माताएं अपना-अपना स्थान छोड़कर जाने लगीं। माता चामुंडा पहाड़ को फाड़ती हुई आगे बढ़ीं। वे पहाड़ी के दूसरी और चली गई जबकि बड़ी माता तुलजा भवानी पाताल में समाने लगीं।

साक्ष्य के रूप में आज भी पहाड़ी पर वो दरार मौजूद है। दोनों माताओं के मतभेद देखकर हनुमान जी और भैरव बाबा ने उनका क्रोध शांत करने और वहां रुकने की विनती की। उस दौरान बड़ी माता का आधा शरीर पाताल में समा चुका था। छोटी माता जिस अवस्था में नीचे उतर रही थीं, उसी विराट अवस्था में पहाड़ी की दूसरी और विराजमान हो गईं। यही कारण है कि तुलजा भवानी का मुख दक्षिण की ओर और चामुंडा का मुख उत्तर की ओर है।

माता रानी के तीन रूपों में होते हैं दर्शन

मां चामुण्डा और तुलजा भवानी का दरबार कई प्रकार की विशेषताओं से जाना जाता है। माता तुलजा भवानी तीन रूपों में भक्तों को दर्शन देती हैं। सुबह मां के चेहरे पर बाल रूप, दोपहर में युवा अवस्था और रात में माता रानी का वृद्ध स्वरूप दिखता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा पर हुआ अमल

आज से 19 धार्मिक नगरों में नहीं बिकेगी शराब, होंगी दुकानें बंद

उज्जैन, सलकनपुर अमरकंटक सहित धार्मिक स्थानों पर नहीं होगी बिक्री

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों एवं ग्राम पंचायतों में की गई शराब बंदी की घोषणा पर एक अप्रैल 2025 से अमल शुरू हो जायेगा। मुख्यमंत्री की इस घोषणा को 24 जनवरी 2025 को लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में हुई केबिनेट ने मंजूरी दी थी। निर्णय अनुसार उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मण्डला, मुलताई, मंदसौर और अमरकंटक की सम्पूर्ण नगरीय सीमा में एवं सलकनपुर, कुण्डलपुर, बांदकपुर, बरमानकलां, बरमानखुर्द और लिंगा की ग्राम पंचायत सीमा में समस्त मदिरा दुकानों एवं बार को बंद किया जाएगा। प्रदेश के इन 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्णत: पवित्र घोषित करते हुए एक अप्रैल 2025 से पूर्ण शराब बंदी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशामुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया। यह कदम जन-आस्था और धार्मिक दृष्टि से श्रद्धा के 19 नगरीय क्षेत्र एवं ग्राम पंचायतों में प्रभावशाली होगा। जिन धार्मिक स्थान पर शराब बंदी का निर्णय लिया उसमें एक नगर निगम, 6 नगर पालिका, 6 नगर परिषद और 6 ग्राम पंचायतें हैं। जिन प्रमुख पवित्र नगरों में शराबबंदी लागू की जा रही है उनमें बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन, प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी का उद्गम अमरकंटक, महेश्वर, ओरछा रामराजा मंदिर क्षेत्र, ओंकारेश्वर, मंडला में सतधारा क्षेत्र, मुलताई में तासी उद्गम क्षेत्र, पीतांबरा देवीपीठ दतिया, जबलपुर भेड़ाघाट क्षेत्र, चित्रकूट, मैहर, सलकनपुर, सांची, मंडलेश्वर, वान्द्रावान, खजुराहो, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र मंदसौर, बरमान घाट और पन्ना शामिल हैं। एक अप्रैल 2025 से इन सभी क्षेत्र में पूर्ण शराब बंदी रहेगी।

उज्जैन भैरव मंदिर स्थित दुकान भी बंद होगी

मध्य प्रदेश आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की 19 धार्मिक क्षेत्रों की 47दुकानें 1 अप्रैल से बंद हो जाएगी। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में संचालित बार भी बंद होंगे। उज्जैन के भैरव मंदिर परिसर में भी शराब की दुकान है, वह भी बंद होगी।

अहिल्या बाई के जनकल्याण और सुशासन के कार्य प्रेरणादायकः सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई ने 300 वर्ष पहले जनकल्याण के जो काम किये और सभी संकटों को पार कर सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए हैं, वे आज हम सब के लिए प्रेरणादायक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को लोकमाता देवी अहिल्या की नगरी खरगोन जिले के महेश्वर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा 'राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्याबाई की पुण्य गाथा' नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुषी जैन द्वारा देवी अहिल्या बाई की जीवनगाथा पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या बाई ने होल्कर साम्राज्य के साथ ही सम्पूर्ण देश में जन-कल्याण के कार्य किए हैं। मुगल काल में सनातन संस्कृति को नष्ट करने का काम किया गया, लेकिन नर्मदा पुत्री देवी अहिल्याबाई ने सनातन संस्कृति की रक्षा का काम किया।

नमाज के बाद फिलीस्तीन के समर्थन में पोस्टर वार

ईद पर भोपाल, नूंह में लहराए फिलिस्तीनी झंडे और पोस्टर

नूंह / भोपाल ■ एजेंसी

आज ईद का त्योहार देश में बड़ी खुशी के साथ मनाया जा रहा है। वहीं इस दौरान हरियाणा के नूंह से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां जिले में ईद की नमाज के बाद फिलिस्तीन के झंडे लहराए गए हैं। नमाज के बाद नमाजियों ने हाथों में तख्तियां और फिलिस्तीन के झंडे लेकर फिलिस्तीन के पक्ष में नारे लगाए। इस दौरान नमाजियों ने कहा कि उन्होंने नमाज कर फिलिस्तीन में अमन और शांति की दुआ मांगी है।

यह मामला हरियाणा के नूंह जिले के गांव घासेड़ा का है। सोमवार को यहां के ईदगाह में ईद

की नमाज के मुस्लिम समुदाय के लोग जमा हुए थे। उन्होंने पहले ईदगाह में नमाज अता की। इसके बाद बाहर रोड पर निकलकर फिलिस्तीन के समर्थन में जुलूस निकाला

मंत्री सारंग बोले- ऐसी फिरकापरस्ती की मानसिकता नहीं चलेगी

भोपाल। भोपाल में सोमवार को ईदगाह और मोती मस्जिद में ईद की नमाज के बाद युवाओं ने फिलीस्तीन के समर्थन में पोस्टर लहराए। युवाओं ने 'I Stand With Palestine' जैसे संदेश वाले पोस्टर हाथो में लेकर दिखाए। इस पर मंत्री विश्वास सारंग ने प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने कहा कि फिरकापरस्त विचारधारा को उन्माद फैलाने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रियंका गांधी द्वारा संसद में फिलीस्तीन के बैग को लेकर दिए गए बयान पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष के नेता तुष्टिकरण की राजनीति के लिए गिरने की हद तक जा रहे हैं। इसके अलावा, वक्फ बोर्ड बिल के विरोध में मुसलमानों ने काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी। इसको लेकर भी मंत्री विश्वास सारंग ने प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान में आतंकवादी हमले करता हैं, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार होता है और मुंबई में आतंकवादी हमले होते हैं, तब किसी ने काली पट्टी नहीं बांधी। कश्मीर में पंडितों पर हुए अत्याचार के समय भी पट्टी नहीं बांधी गई। सारंग ने कहा कि बिना वक्फ बोर्ड बिल को पढ़े इसका विरोध करना गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ से किसी गरीब मुसलमान को कोई लाभ नहीं मिला, बल्कि यह केवल बेजा कब्जा करने वाले अमीर मुस्लिम नेताओं का फायदा हुआ है। सारंग ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार होते हैं, लेकिन प्रियंका गांधी को उन हिंदुओं के समर्थन में कोई पहल करने का समय नहीं मिलता। उन्होंने चेतावनी दी कि ईद के मौके पर इस तरह के बैनर लगाकर अराजकता फैलाने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंतर्मना उवाच

अंतर्मना गुरुदेव ससंघ का उत्तर प्रदेश की सीमा से देवभूमि उत्तरखंड में भव्य मंगल प्रवेश ... देवभूमि उत्तराखंड मुक्तेश्वर धाम में महावीर जयंती एवं गुरुदेव अंतर्मना प्रसन्न सागर की महाराज का दीक्षा दिवस मनाया जायेगा ...अंतर्मना ससंघ का निरंतर अष्टापद बद्रीनाथ धाम के लिए चल रहा पदविहार

जज़्बा तो रखना होगा..

खुद में, खुद को - खुद से पाने का..!

*आज प्रत्येक व्यक्ति कुछ होना चाहता है, लेकिन उसकी महत्वाकांक्षाएं उसे वहां तक पहुंचने नहीं दे रही हैं। **कुछ होने की दौड़ में वह भूल ही गया कि उसे पाना क्या है...!!** स्वयं के अतिरिक्त और कुछ होना असंभव है, क्योंकि जो बीज में नहीं है वह वृक्ष में कैसे हो सकता है..! लेकिन **प्रत्येक व्यक्ति वही होने की दौड़ में, दौड़े जा रहा है जो वह नहीं है।***

*व्यक्ति जो बीजत: होता है तो उसके विकास में एक अपूर्व आनंद, मन की शांति, भीतर से आर्यमौन और अंतरंग में अदृश्य शक्ति का विकास होता है। उसमें जो गति होती है उसकी पग ध्वनियां भी सुनाई नहीं पड़ती है। लेकिन **व्यक्ति जो नहीं है उसके होने का शोरगुल बहुत होता है और भीतर से होता कुछ नहीं है।** क्योंकि इस शोरगुल से संघर्ष, तनाव, अशांति, वैमनस्यता और प्रतिस्पर्धा बढ़ती जाती है। **व्यक्ति जो है उसके वही होने में, न कोई शोरगुल, न प्रतिस्पर्धा, न ईर्ष्या, न द्वेष, फिर वह होता है बस अपने आनंद और मस्ती में।***

*इसलिए **मैं कहता हूं** - कि महत्वकांक्षा के आधार पर खड़ा व्यक्ति कभी अहिंसक नहीं हो सकता, क्योंकि जहां महत्वाकांक्षा है वहीं हिंसा का भाव है। अब **यदि धर्म ने मनुष्य के मन से महत्वकांक्षा नहीं छीनी तो विनाश सुनिश्चित है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

बिहार चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं को सहेजने में जुटे अमित शाह

हर तरफ होंगी जनसभाएं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भाजपा की नजर इस समय पूरी तरह बिहार पर है। पीएम नरेंद्र मोदी हों या गृह मंत्री अमित शाह, बजट के जरिए निर्मला सीतारमण हों, भाजपा के सभी बड़े नेता लगातार बिहार को लेकर अपनी प्राथमिकता जाहिर कर रहे हैं। राजधानी दिल्ली में भी इस बार जिस तरह भव्य तरीके से बिहार दिवस मनाया गया, उससे भी लगा कि भाजपा प्रवासी बिहारी मतदाताओं पर भी पूरा फोकस करके चल रही है। इसका उद्देश्य बिहार में पूर्ण बहुमत के दम पर सरकार बनाना है।

अमित शाह जिस तरह अपने बिहार प्रवास में राज्य के अलग-अलग क्षेत्र के लोगों को साधने का काम कर रहे हैं, इससे भी पार्टी को लाभ मिलने की संभावना है। गोपालगंज में भाजपा की स्थिति बेहतर रही है। इस तरह वे सबसे पहले उन्हीं क्षेत्रों को मजबूत करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं, जहां पार्टी की स्थिति बेहतर है। लेकिन इसके बाद मुस्लिम क्षेत्रों पर भाजपा फोकस कर सकती है जहां एमवाई समीकरणों के कारण राजद-कांग्रेस मजबूत रही है।

सीएम आज करेंगे 'स्कूल चलें हम' अभियान-2025 का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक अप्रैल मंगलवार को शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन) में प्रात:9 बजे 'स्कूल चलें हम' अभियान - 2025 का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम भी होगा। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम के डिजिटल प्लेटफार्म पर लाइव प्रसारण की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ करेंगे।

सरकार कल कर सकती है संसद वक्फ बिल पेश मुसलमानों को भड़काने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दिल्ली से लेकर पटना तक विरोध प्रदर्शन किया था। माना जा रहा है कि सरकार आगामी दो अप्रैल को वक्फ बिल संसद में पेश कर सकती है। इसके बीच मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इससे निपटने की अपनी तैयारी मजबूत कर ली है। वह इसका और मजबूत तरीके से विरोध करने की तैयारी कर रही है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सर्वोच्च न्यायालय जाने सहित सभी विकल्पों पर विचार कर रही है।

वहीं, केंद्र सरकार को आशंका है कि जिस तरह सीएए - एनआरसी और तीन तलाक के मामले में मुसलमानों को गुमराह किया गया था, उसी तरह वक्फ बिल के मामले में भी उन्हें गुमराह किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अपील की है कि लोग (मुसलमान) दूसरों के बहकावे में न आएं, वक्फ संशोधन बिल को ध्यान से पढ़कर इसकी बातों को समझकर इस पर अपनी राय रखें। लोकतंत्र में लोग अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन किसी को अफवाह नहीं फैलाना चाहिए। वक्फ संशोधन कमेटी के चेयरमैन जगदंबिका पाल ने कहा है कि कई मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भी वक्फ बिल का स्वागत किया है। इससे भाजपा का दावा है कि वक्फ बिल को लेकर सरकार की मंशा साफ है।

प्रदेश के हर जिले में विकास समितियों का गठन होगा, सुझावों पर सरकार अमल करेगी : डॉ. मोहन यादव

6 अप्रैल को प्रदेश के 65 हजार 14 बूथों पर होंगे सम्मेलन

भोपाल ■ प्रतिनिधि

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक को संबोधित किया। पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कार्यकर्ता सामाजिक समरसता व नागरिक कर्तव्यों के साथ राष्ट्र निर्माण का कार्य करें। पार्टी कार्यकर्ता सुचिता के साथ संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएं और पार्टी गतिविधियों को संपन्न करें। सीएम ने कहा कि मप्र सरकार ने विकास की कई योजनाएं चलाई हैं, जिन्हें पार्टी कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। प्रदेश के हर जिलों में विकास समितियों का गठन किया जाएगा और समितियों के पास आये सुझावों पर सरकार अमल करेगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा 6 अप्रैल को प्रदेश के सभी 65 हजार 14 बूथों पर प्राथमिक सदस्यों का सम्मेलन आयोजित कर पार्टी का स्थापना दिवस मनाएगी। 7 से 12 अप्रैल तक गांव चलो बस्ती चलो अभियान में कार्यकर्ता तीन दिन तक प्रतिदिन 8 घंटे गांव व बस्ती में सेवा कार्यों में सहभागिता करेंगे। 14 अप्रैल को प्रदेशभर में डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी। पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि पीएम मोदी अपने कार्यों से दुनियाभर में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। मोदी के नेतृत्व में चांद पर तिरंगा फहराया। आप सभी पार्टी कार्यकर्ता भाजपा की रीढ़ की हड्डी इसलिए जनता की सेवा के साथ पार्टी के कार्यों को आगे बढ़ाएं।

कटरा से श्रीनगर तक चलेगी पहली ट्रेन; पीएम दिखाएंगे 19 अप्रैल को हरी झंडी

नई दिल्ली। कश्मीर को रेलमार्ग से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने का सपना जल्द ही पूरा होने जा रहा है। पीएम मोदी 19 अप्रैल को कटरा से श्रीनगर तक चलने वाली पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस बात की पुष्टि की है। कश्मीर को देश के अन्य भागों से जोड़ने के लिए 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का काम पूरा होने के बाद कश्मीर को यह सौगात मिलने जा रही है। वंदे भारत एक्सप्रेस के शुरू होने से जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। कई दशकों से कश्मीर के लिए सीधी रेल सेवा की मांग की जा रही थी, जिसे इस ट्रेन के शुरू होने से पूरा किया जाएगा। वर्तमान में, कश्मीर घाटी में केवल संगलदान से बारामूला तक ट्रेन सेवा उपलब्ध है, जबकि कटरा से देश के अन्य हिस्सों के लिए ट्रेनें चलती हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर-नर्सों की लापरवाही से गई गर्भवती और उसके बच्चे की जान

सीहोर। सीहोर जिले के भैरूंदा सिविल अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों की लापरवाही से डिलीवरी के दौरान गर्भवती महिला और नवजात की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि 12 घंटे तक गुमराह किया गया। मामले में एक महिला डॉक्टर और पांच स्टाफ नर्सों पर कार्रवाई हुई, पुलिस जांच जारी है। सीहोर जिले का भैरूंदा सिविल अस्पताल अक्सर चर्चाओं में रहता है। पिछले दिनों सिविल अस्पताल भैरूंदा में निर्माण कार्य के चलते एक मजदूर की मौत हो गई थी। अब आरोप है कि यहां के डॉक्टर और नर्सों की लापरवाही के कारण दो मासूम बेटियों के सर से मां का साया ही छिन गया। डिलीवरी के लिए लाई गई महिला और उसके नवजात बच्चे ने दम तोड़ दिया। कहा तो ये भी जा रहा है कि जिम्मेदार मामले को दबाने में लगे हुए हैं। जानकारी के अनुसार ममता पति मनफूल (35) निवासी निरखी तहसील सिवनी मालवा जिला नर्मदापुरम गर्भवती थी। वह पिछले चार महीने से अपने मायके ग्राम तजपुरा तहसील भैरूंदा जिला सीहोर में रह रही थी। रविवार को ममता को दर्द होने पर परिजन भैरूंदा स्थित सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर रविवार सुबह 11 बजे महिला को भर्ती कराया गया। इसके बाद ड्यूटी डॉक्टर एवं नर्सों ने उसका इलाज शुरू किया।

भालूमाड़ा में जुआ खेलते पकड़ाया भाजपा का पार्षद, सरगना फरार

अनूपपुर। भालूमाड़ा पुलिस ने कोतमा भाजपा पार्षद सुशील तिवारी को जुआ खेलते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। मुख्य सरगना धर्मेंद्र मिश्रा फरार है। पुलिस ने 8,040 रुपये, ताश के पत्ते और तीन मोटर साइकिल जब्त कीं। आरोपियों पर जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। कोतमा भाजपा पार्षद चुन्ना उर्फ सुशील तिवारी को भालूमाड़ा पुलिस ने रविवार रात जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया। पार्षद के पकड़े जाने के बाद उसे बचाने के लिए नेताओं के फोन अफसरों के पास लगातार आते रहे, लेकिन पुलिस ने निर्देशानुसार कार्रवाई कर उसे थाना लाकर केस दर्ज किया। मामले में मुख्य सरगना धर्मेंद्र मिश्रा उर्फ नान्हे, निवासी पसान, फरार है। मिश्रा उर्फ नान्हे अपने साथियों के साथ भालूमाड़ा, शिवलहरा, पोड़ी, चोड़ी, भाद, बाड़ीखार के जंगलों में जुआ खिलवाने की गतिविधियों में लिप्त था। रविवार को मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बाड़ीखार के जंगल में घेराबंदी कर छापामार कार्रवाई की।

दिव्यांग वृद्ध की पोते ने गुप्ती से गला रेतकर की थी हत्या

उज्जैन। झारड़ा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद के कारण पोते भारतसिंह ने दो साथियों संग अपने दादा अर्जुनसिंह (62) की गला रेंतकर हत्या कर दी। पुलिस जांच में पारिवारिक विवाद सामने आया। आरोपी हत्या के बाद अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ था। तीनों आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए, हथियार और बाइक बरामद हुई। खेत पर सोये दिव्यांग वृद्ध का बुधवार-गुरुवार रात गला रेंतकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या में मृतक के पोते और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया था। झारड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम लोटिया जुनार्दा में 27 मार्च की सुबह अर्जुनसिंह पिता फतेहसिंह (62) की लाश खेत पर बनी झोपड़ी से लाश पुलिस ने बरामद की थी। मृतक का गला रेंता गया था। जांच के लिए एफएसएल टीम पहुंची थी, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया था। गांव वालों ने किसी से कोई विवाद नहीं होना बताया। मामला अंधा कत्ल प्रतीत होने लगा। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज किया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंपा। दूसरे दिन गांव पहुंची पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज किए।

बाइक मैकेनिक की दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

सिवनी। सिवनी के छिंदवाड़ा रोड स्थित एक बाइक मैकेनिक की दुकान में सोमवार देर रात आग लग गई, जिससे सारा सामान जलकर खाक हो गया। दमकल की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, जांच जारी है। कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन व्यापारियों में चिंता है। सिवनी शहर के छिंदवाड़ा रोड स्थित योगिराज टॉकीज के पास एक बाइक मैकेनिक की दुकान में सोमवार देर रात अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया।

इंदौर में बढ़ रहा कुत्तों का आतंक

रोज 1000 से अधिक लोगों को काट रहे, अस्पतालों में लगी लंबी लाइनें

इंदौर ■ निसं

इंदौर शहर में कुत्तों के बढ़ते आतंक को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन ने 6 महीने का विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की है। अस्पतालों में कुत्तों का शिकार हुए लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गर्मी का मौसम आते ही इंदौर में कुत्तों के काटने से रोज 1000 से अधिक केस आ रहे हैं। लाल अस्पताल समेत शहर के अन्य अस्पतालों में लगी लाइनें इंदौर में कुत्तों का आतंक बयां कर रही हैं। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं कुत्तों के सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं। प्रशासन भी अब लगातार बढ़ रहे मामलों से परेशान है और इन्हें कम करने के लिए योजना बना रहा है।

रोज एक हजार से अधिक केस आ रहे: लाल अस्पताल के डॉक्टर आशुतोष शुक्ला के मुताबिक रोज 300 से 500 केस सिर्फ लाल अस्पताल में ही आ रहे हैं। जनवरी में लाल अस्पताल में 4535 केस आए और फरवरी में 4024 केस आए। वहीं शहर के अन्य अस्पतालों में भी कुत्तों के काटने से घायलों की बड़ी संख्या आ रही है। लाल अस्पताल के आंकड़ों को मिलाकर रोज शहर के सभी अस्पतालों में एक हजार से अधिक लोग कुत्तों के काटने से घायल होकर आ रहे हैं।

एनजीओ और पशु चिकित्सा विभाग का सहयोग: इस अभियान में नगर निगम द्वारा जिन एनजीओ के साथ कुत्तों के ऑपरेशन का एग्रीमेंट किया गया है, वे भी इस कार्य में सक्रिय रूप से योगदान देंगे। इसके अलावा, शासन के पशु चिकित्सा विभाग के सात चिकित्सकों ने भी इस अभियान में सहयोग देने का निर्णय लिया है।

छह महीने तक चलेगा अभियान

जिला प्रशासन द्वारा इंदौर शहर में कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है, जो आगामी छह महीने तक चलेगा। इस अभियान के तहत नगर निगम वर्कशॉप में चार नई गाड़ियां तैयार की गई हैं, जिनका उपयोग कुत्तों को पकड़ने में किया जाएगा। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा इस अभियान की घोषणा की गई है, जो शहर में कुत्तों के बढ़ते आतंक को नियंत्रित करने के लिए एक ठोस कदम साबित हो सकता है। हाल ही में कलेक्टर द्वारा भिक्षुकमुक्त अभियान भी सफलतापूर्वक चलाया गया था, और अब इस अभियान के तहत कुत्तों के आतंक से निजात पाने की कोशिश की जाएगी।

अभियान की रणनीति और उद्देश्य

कुत्तों के आतंक को समाप्त करने के लिए इस अभियान की रणनीति बनाई गई है कि बड़ी संख्या में कुत्तों को पकड़कर उनका ऑपरेशन किया जाएगा। इसके बाद शहरवासियों से अपील की जाएगी कि यदि कहीं भी बिना कान कटा हुआ कुत्ता नजर आए, तो उसकी सूचना दी जाए। सूचना देने वाले व्यक्ति को इनाम भी दिया जाएगा। यह योजना शहर में कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण पाने के साथ-साथ कुत्तों से उत्पन्न होने वाली परेशानियों को भी खत्म करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

धरम कुंडी और सातवासा रेलवे स्टेशन के बीच की घटना

अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में जनरेटर और पार्सल बोगी में लगी आग, यात्रियों में हड़कंप

सिवनी मालवा ■ निसं

सोमवार दोपहर करीब 4 बजे बानापुरा से इटारसी की ओर जाने वाली अहमदाबाद बरौनी एक्सप्रेस चलती ट्रेन की बोगी में आग लग गई घटना खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास की बताई जा रही है

यह घटना अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरौनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर करीब 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गार्ड ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया।

आग लगने के बाद ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को अलग कर ट्रेन को रवाना कर दिया गया। आग बुझाने की कोशिशें जारी है। आग लगने की इस घटना के कारण खंडवा से इटारसी आने वाला रेलवे डाउन ट्रैक पर यातायात बंद हो गया।

जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लगी: ट्रेन के सबसे आखिरी में जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लगी। यह बोगी स्टील के बर्तन के कार्टूनों से भरी थी। इस कारण आग के साथ काफी धुआं उठने लगा। जिसके बाद जनरेटर कोच में काम करने वाले कर्मचारी भी तुरंत बाहर निकले। सूचना के बाद दमकल को बुलाया गया। डोलरिया थाना पुलिस और आरपीएफ इटारसी से बल मौके पर पहुंचा।थाना पुलिस और आरपीएफ इटारसी से बल मौके पर पहुंचा।

यात्रियों में मचा हड़कंप, ट्रेन से नीचे उतरे

ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन के रुकते ही यात्री नीचे उतर गए। ट्रेन में सवार युवक महेंद्र के मुताबिक आग लगने की ये घटना दोपहर 4 बजकर 10 मिनट की है।

नगर पालिका ने ग्रीष्मकाल में शहर के जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए

नदी कुए और तालाब के आसपास सफाई अभियान चलाया

रविवार को शक्ति घाट एवं शीतला माता मंदिर के आसपास कराई सफाई

सिवनी मालवा ■ निसं

सिवनी मालवा नगर पालिका द्वारा आने वाले समय में भीषण गर्मी तो देखते हुए नगर के जल स्रोतों के संरक्षण हेतु कुआ तालाब एवं नदी के घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाकर सफाई की जा रही है तो वही नवरात्र पर्व पर मंदिरों के आसपास साफ सफाई का ध्यान रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रितेश सिंह जैन उपाध्यक्ष स्वामी शैलेंद्र गौर प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमर सिंह ऊईके एवं सफाई निरीक्षा के राहुल शर्मा के द्वारा रविवार प्रात: 7:00 बजे नगर के शक्ति घाट शीतला माता मंदिर खेड़ापति मंदिर सहित मंदिरों के आसपास सफाई कर्मचारियों के साथ पहुंचे और साफ सफाई कराई गई शक्ति घाट पर अध्यक्ष रितेश जैन उपाध्यक्ष स्वाति शैलेंद्र गौर पार्षद ईश्वर जमीदार दीपक बार्थव किरण शिव राठौर शाहिद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने घाट पर पड़े कचरा उठाकर साफ सफाई की वही शीतला माता मंदिर के पास साफ सफाई कराई गई और पाउडर का किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी सीएमओ अमर सिंह ऊईके, स्वच्छता निरीक्षक प्रशांत शर्मा, सब इंजीनियर राहुल शर्मा, महेंद्र सिंह परिहार शुभम साहू शेखर सोनी विक्रम रघुवंशी योगेश कौशल रानू सराठे शुभम सोनी जमादार विजय टॉक विशाल गुहार दुर्गा , विनोद , भुरू बगगन एवं नपा कर्मचारी एवं सफाई कर्मचारी मौजूद थे ।

नाबालिग छात्रा को जबरन बैठाया, कार लेकर भागे, दो आरोपी हिरासत में

ग्वालियर। ग्वालियर में नाबालिग छात्रा को जबरन कार में बैठाकर भागने की कोशिश कर रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। मामला अपहरण का है या फिर आपसी विवाद का, इसकी पड़ताल की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, कंट्रोल रूम में फोन कर किसी ने छात्रा के अपहरण की सूचना दी थी। उसने कार के चेतकपुरी माधवनगर से महाराजबाड़ा की तरफ जाने की बात कही। जिस पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। करीब 25 मिनट बाद रॉक्सीपुल पर पुलिस ने कार को ट्रैस कर लिया। गाड़ी रोकने के लिए पुलिसकर्मियों ने बैरिकेड्स लगाए। कार सवारों को रुकने की चेतावनी दी। ड्राइवर ने बैरिकेड्स को टक्कर मारते हुए कार भगाने की कोशिश की। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया।

तिनका सामाजिक संस्था द्वारा निशुल्क कराटे ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित

सिवनी मालवा ■ निसं

तिनका तिनका सामाजिक संस्थान विगत 4 वर्षों से बच्चों को कराटे प्रशिक्षण के माध्यम आत्मरक्षा प्रशिक्षण दे रही है इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन कराटे शिविर आयोजन किया जा रहा है जिसमें बच्चों को निशुल्क आत्मरक्षा कराटे प्रशिक्षण और कई तरह की कलाएं सिखाई जाएंगी।

यह शिविर 2 महीने तक चलेगा जिसमें सभी गतिविधियों के साथ बच्चों को अंत में प्रमाण पत्र और किट भी प्रदान की जाएगी साथ ही आगे होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग दिलवाया जाएगा इससे वह सीखने वालों का नाम रोशन कर सके। इसमें मुख्य प्रशिक्षक कुलदीप जो कि अंतरराष्ट्रीय कराटे प्लेयर खिलाड़ी है एवं ब्लैक बेल्ट है और बालिकाओं के लिए रोशनी राजपूत प्रशिक्षण देंगी।

अन्नपूर्णा फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी ने जान से मारने की दी धमकी

पीड़ित ने एसपी से की शिकायत, सुरक्षा की लगाई गुहार

बैतूल ■ निसं

बैतूल मुख्यालय के विकास नगर निवासी सूर्यकांत सोनी ने अन्नपूर्णा फाइनेंस लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से कर सुरक्षा की गुहार लगाई है। शिकायतकर्ता श्री सोनी ने बताया कि उनके द्वारा विगत जनवरी 2024 में अन्नपूर्णा फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था, जिसकी ईएमआई उनके द्वारा नियत तिथि पर जमा कर दी जाती है। सिर्फ मार्च माह की किस्त बची थी, जो जमा करने ही वाले थे। परंतु अन्नपूर्णा फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी सुमित मालवीय रात 9 बजे शराब के नशे में घर आए और अप शब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्र व्यवहार, जान से मारने की धमकी देने लगे। इस दौरान कर्मचारी सुमित के साथ हर्ष सूरजा भी मौजूद थीं। जिन्हें पीड़ित ने मार्च माह किस्त की नगद राशि दे दी। अन्नपूर्णा फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी देने पर पीड़ित और परिवार में दहशत व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की गुहार लगाते हुए उक्त कंपनी के कर्मचारी पर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

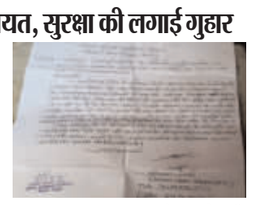

मुस्लिम समाज ने तालाब के पास ईदगाह पर ईद उल फितर की नमाज अदा की

एसडीएम सरोज परिहार एसडीओपी राजू रजक एवं थाना प्रभारी अनूप कुमार ऊईके नायब तहसीलदार नितिन राय मौजूद रहे

- जामा मस्जिद से काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की वक्फ बिल का विरोध जताया
- काली पट्टी बांधकर नवाज अदा करने पहुंचे कई लोगों को नहीं मालूम काली पटटी किस कारण बांधी

सिवनी मालवा ■ निसं

मुस्लिम समाज द्वारा सोमवार को ईद-उल-फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सुबह 8:00 बजे तलाव के पास ईदगाह पर सामूहिक रूप से नमाज अदा की। साथ ही देश की खुशहाली और शांति के लिए दुआएं मांगी।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। जामा मस्जिद के सदर शेख साजिद ने बताया कि शहर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में अलग-अलग समय पर नमाज का आयोजन किया गया। ईदगाह के बाद जामा मस्जिद में भी नमाज अदा की गई।

इस वर्ष ईद पर एक विशेष बात देखने को मिली। वक्फ संशोधन अधिनियम 2024 के विरोध में अधिकांश लोग काली पट्टी बांधकर ईदगाह पहुंचे।

काली पट्टी बांधकर नमाज अदा करने पहुंचे कई लोगों को नहीं मालूम काली पटटी किस कारण बांधी गई उनका कहना था कि मस्जिद में काली पट्टी बांधी गई है किस कारण बंदी गई है जानकारी नहीं है। ईद ईद पर नगर की मस्जिदों एवं मस्जिद मोहल्ले में गांधी चौक के आसपास पुलिस बल मौजूद रहा वही ईदगाह के पास सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसडीएम सरोज सिंह परिहार, तहसीलदार नितिन राय और एसडीओपी राजू रजक मौजूद रहे। थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके भी पुलिस बल के साथ तैनात रहे।

एक महीने के पवित्र रमजान के बाद मनाए जा रहे इस त्योहार पर घरों में दावतों का सिलसिला भी दिनभर चलता रहा। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इस मौके पर अपनी बुरी आदतों को त्यागने का संकल्प भी लिया।

ज्यादा मुनाफे के लालच में हुए शिकार

बीना रिफाइनरी के अधिकारी के साथ एक करोड़ की ठगी

सागर ■ निसं

बीपीसीएल रिफाइनरी के एक अधिकारी के साथ एक करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एक वॉट्सएप की लिंक से सारा खेल हो गया। मध्य प्रदेश के सागर में बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। बीना रिफायनरी के अधिकारी ज्यादा मुनाफा बनाने के लालच में एक करोड़ सात लाख रुपये गंवा बैठे। वॉट्सएप की लिंक से सारा खेल हो गया। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बता दें कि सागर जिले के बीना तहसील अंतर्गत आगासौद गांव में स्थित बीपीसीएल रिफाइनरी के एक अधिकारी के साथ एक करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी हो गई। आगासौद थाना प्रभारी नितिन पाल ने बताया कि बीना बीपीसीएल रिफाइनरी में मनीष कुमार सिंह प्रबन्धक के पद पर पदस्थ हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग में लगभग एक करोड़ सात लाख 66 हजार रुपये की ठगी का शिकार हो गए।

गौरतलब है पाल शेयर खान एप के माध्यम से शेयर मार्केट में पैसा लगाते थे, लेकिन जनवरी माह में वॉट्सएप ग्रुप में एड किया गया और जोड़ने वाले मनोज जोशी व अन्य एडमिन सालवी अग्रवाल थे। उन्होंने रिफाइनरी अधिकारी के लिए वॉट्सएप पर एक लिंक भेजी, जो शेयर खान एप की नकली लिंक थी। वही लिंक ओपन करते ही रिफाइनरी अधिकारी के धोखाधड़ी का सिलसिला शुरू हुआ और लंबी रकम दांव पर लगा बैठे।

---

405 करोड़ की लागत से नर्मदापुरम-हरदा सड़क का निर्माण - विधायक वर्मा

सिवनी मालवा ■ निसं

विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने स्थानीय रेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता करते हुए जानकारी दी कि नर्मदापुरम से हरदा तक 10 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण की स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना की कुल लागत 405 करोड़ रुपये होगी। सड़क निर्माण से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, जिससे समय की बचत होगी और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

कृषि क्षेत्र में सिंचाई योजनाएं: विधानसभा क्षेत्र में किसानों के खेतों की सिंचाई के लिए तीन महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से जल उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे फसल उत्पादन में सुधार होगा और किसानों को अधिक लाभ मिलेगा।

बिजली आपूर्ति में सुधार: किसानों को पर्याप्त वोल्टेज और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नए विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण किया गया है। इस पहल से न केवल किसानों की सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि आम नागरिकों को भी बेहतर बिजली आपूर्ति मिलेगी।

शिक्षा क्षेत्र में विकास: शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पीएम श्री महाविद्यालय और पीएम श्री स्कूलों की स्थापना की गई है। साथ ही, नए विद्यालयों का निर्माण कार्य भी पूरा किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। इन सभी विकास कार्यों से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी।

सड़क नेटवर्क का विस्तार

नए सड़कों का निर्माण किया गया है और जिन ग्रामों में सड़कें नहीं थीं, उन्हें भी बजट में शामिल कर स्वीकृति दी गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात सुविधाएं बेहतर होंगी और स्थानीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार

स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत किया गया है। डोलरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवर्तित किया गया है। साथ ही, प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों का भी निर्माण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें।

जबलपुर में अज्ञात वाहन ने अधेड़ को रौंदा, मौत

जबलपुर। जबलपुर के गढ़ा थाने से सिर्फ 10 फीट दूरी पर सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार अज्ञान वाहन ने 55 वर्षीय शख्स को रौंद दिया। घटना में उन्हें गंभीर चोट आई। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां कुछ ही देर बात उनकी मौत हो गई। मृतक का नाम कमल चक्रवर्ती है। वह पेशे से मिट्?टी के मटके (कुम्हार) बनाने का काम करते थे। सोमवार सुबह वह घूमने के लिए त्रिपुरी चौक से मेडिकल कॉलेज तरफ पैदल जा रहे थे। उसी दौरान उन्हें अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गढ़ा थाना पुलिस के स्टाफ ने अज्ञात वाहन की तालाश शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल कर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

खेड़ापति माता मंदिर की कलश यात्रा में शामिल हुए सबनानी

भोपाल ■ निसं

नवरात्रि के पावन अवसर पर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कोटरा गांव में स्थित खेड़ापति माता मंदिर में कलश स्थापना हेतु भव्य कलश यात्रा निकल गई, यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी सम्मिलित हुए। कोटरा गांव में खेड़ापति माता के मंदिर में कलश स्थापना से पहले साई मंदिर नेहरू नगर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो विभिन्न मार्गो से होते हुए खेड़ापति माता मंदिर पर पहुंची। कलश यात्रा में क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी सम्मिलित हुए और सभी को इस शुभ अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दी, सबनानी ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर खेड़ापति माता के मंदिर में कलश स्थापना होना अति शुभ अवसर है। मैं लीलाधर यादव सहित समिति के सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं कि जो उन्होंने इस शुभ अवसर पर इस पवित्र आयोजन की तैयारी की, मंदिर में कलश स्थापना अति विशेष माना गया है, हमारे मंदिरों में कलश दर्शन का भी विशेष में महत्व है और कलश दर्शन से बड़ा पुण्य मिलता है, इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य विकास शर्मा राजेंद्र राठौड़ नंदकिशोर तेलकर दिनेश भारती कमल सिंह यादव हरि सिंह मालवीय बाबूलाल यादव राजेश पाठक रोशन चंद्र राजेश सेन डिंपल श्रीवास्तव समिति बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवरात्रि के अवसर पर कर्फ्यू वाली माता के मंदिर पर माता रानी को जल चढ़ाने एवं दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ लगी है जहां पूजन पाठ का सिलसिला लगातार जारी है।

देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा के लिए मंदिरों में लगा श्रद्धालुओं का तांता

भोपाल ■ निसं

राजधानी के मंदिरों में श्रद्धालुओं की आपर भीड़ लगी है। मां दुर्गा की पूजा के लिए सुबह से ही भक्त कतर वद्ध हो गए। सोमवारा चौक स्थित कर्फ्यू वाली माता, छोटे तालाब स्थित काली मंदिर, कंकाली मंदिर सहित शहर भर के सभी मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ चुका है। चैत्र नवरात्र का दूसरा दिन मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा के लिए समर्पित है। मां ब्रह्मचारिणी अपने भक्तों को तप, त्याग और वैराग्य का मार्ग दिखाती हैं। देवी सफेद वस्त्र धारण करती हैं। दाएं हाथ में जप माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए मां ब्रह्मचारिणी शांत और सरल स्वरूप में विराजमान हैं। देवी की पूजा करने से सुख-शांति की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

मां ब्रह्मचारिणी की पूजन विधि

सुबह स्नानादि से निवृत्त होकर साफ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें। इसके बाद एक वेदी पर मां ब्रह्मचारिणी की प्रतिमा स्थापित करें। उन्हें सफेद वस्त्र अर्पित करें और फूलों से सजाएं। हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का संकल्प लें। मां ब्रह्मचारिणी का ध्यान करते हुए उनका आह्वान करें। मां को अक्षत, रोली, चंदन, धूप, दीप और इत्र अर्पित करें। मां को सफेद व सुगंधित फूल प्रिय हैं इसलिए उन्हें सफेद फूल जरूर चढ़ाएं। मां ब्रह्मचारिणी के वैदिक मंत्रों का जाप करें।

मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का धार्मिक महत्व

मां ब्रह्मचारिणी की आराधना करने से भक्तों को मानसिक शांति और एकाग्रता मिलती है। साथ ही संयम और शक्ति की प्राप्ति होती है। विद्यार्थियों के लिए मां ब्रह्मचारिणी की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। इसलिए आज चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करें और उनकी कृपा प्राप्त करें।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने आचार्य बालकृष्णन से सिकल सेल के संबंध में की चर्चा

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आयुर्वेद में सिकल सेल उपचार अनुसंधान प्रयासों में पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट से सहयोग की अपेक्षा की है। राज्यपाल पटेल द्वारा पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट के संस्थापक सचिव आचार्य बालकृष्ण से महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के दीक्षांत समारोह में चर्चा के दौरान इस विषय पर विचार विमर्श किया गया। राज्यपाल पटेल ने आचार्य बालकृष्ण को राष्ट्रीय सिकल सेल मिशन के तहत किए जा रहे उपचार और पुनर्वास प्रयासों के बारे में भी बताया। उल्लेखनीय है कि पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट के संस्थापक सचिव बालकृष्ण को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है।

5 साल मे मध्य प्रदेश के 38 आईसीयू चालू ही नहीं हो पाए

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने 5 साल पहले मध्य प्रदेश के जिला एवं सिविल अस्पतालों में आईसीयू की सुविधा शुरू की गई थी। इसमें करोड़ों रुपए खर्च किए गए थे। पिछले 5 वर्ष में 38 आईसीयू मध्य प्रदेश में चालू ही नहीं हो पाए। जबकि इनमें करोड़ों रुपए खर्च करके स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की बात स्वास्थ्य विभाग ने कही थी। अभी जो आईसीयू संचालित हो रहे हैं। उनमें अधिकतर वीआईपी इलाज के लिए ही खोले जाते हैं। आईसीयू के उपकरण खराब पड़े हुए हैं। डॉक्टर और स्टाफ भी उपलब्ध नहीं है।ज्यादातर अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण आईसीयू में मरीजों को भरती नहीं किया जाता है। प्रतिदिन सैकड़ो मरीजों को बड़े शहरों की अस्पतालों में रेफर किया जाता है। रास्ते में ही कई मरीजों की मौत हो जाती है।सरकारी अस्पतालों की हालत इन दिनों बहुत खराब है। अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं है।पर्याप्त स्टाफ नहीं है। दवाइयां और सर्जिकल उपकरण भी उपलब्ध नहीं है। सब कुछ भगवान भरोसे ही चल रहा है।

राजधानी में कई क्षेत्रों में शराब दुकान खुलने का विरोध

भोपाल। भोपाल में शराब दुकानों की शिफ्टिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। अब अवधपुरी में ऋषिपुरम तिराहे पर शराब दुकान खुलने का विरोध शुरू हो गया है। लोगों ने रैली-धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। रहवासियों का कहना है, जिस जगह दुकान खुल रही है, उससे 50 मीटर के दायरे में ही मंदिर, स्कूल, अस्पताल और बस स्टॉप भी है। बावजूद यहां शराब दुकान खोली जा रही है। इसे लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

भोपाल में ईद पर प्रशासन के रहे सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सजदे में झुके सिर, गले मिल दी एक दूसरे को मुबारकबाद

भोपाल ■ निसं

राजधानी में सोमवार को ईद-उल-फितर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रमजान के पवित्र महीने की इबादतों और रोजों का समापन होने के बाद मुस्लिम समाज में ईद-उल-फितर का पर्व बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया। शहर की प्रमुख मस्जिदों में सुबह 7.15 बजे से ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें समाज के लाखों लोग शामिल हुए। सबसे अधिक भीड़ ईदगाह में रही। नमाज के बाद गले मिलकर ईद मुबारक की बधाइयां दी गईं, पारंपरिक मिठास से भरे शीर खुरमा का स्वाद चखा गया और बच्चों को ईदी देकर उनकी मुस्कुराहटें बढ़ाई गईं। यह पर्व न सिर्फ खुशियों का त्योहार साबित हुआ, बल्कि एकता, भाईचारे और नेकी के संदेश को भी घर-घर तक पहुंचाने का जरिया बना।

भोपाल, जिसे उसकी गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है, एक बार फिर इस सांस्कृतिक सुंदरता की मिसाल बना। सोमवार सुबह से पुराने भोपाल से लेकर नए इलाकों तक, हर कोने में ईद की खुशी नजर आने लगी। भोपाल के ईदगाह, ताजुल मस्जिद, मोती मस्जिद, जामा मस्जिद समेत शहर की सभी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। भोपाल में सबसे पहले सुबह 7.15 बजे ईदगाह में विशेष नमाज अदा की गई। ईद के मौके पर शहर की करीब 50 मस्जिदों में नमाज अदा की गई। ईदगाह में नमाज के लिए आनेवाले लाखों लोगों के लिए शहर की सभी मस्जिदों में खास इंतजाम किए गए थे। नमाज के बाद गले मिलकर सभी एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। वैसे ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला चांद नजर आने के बाद से शुरू हो गया था।

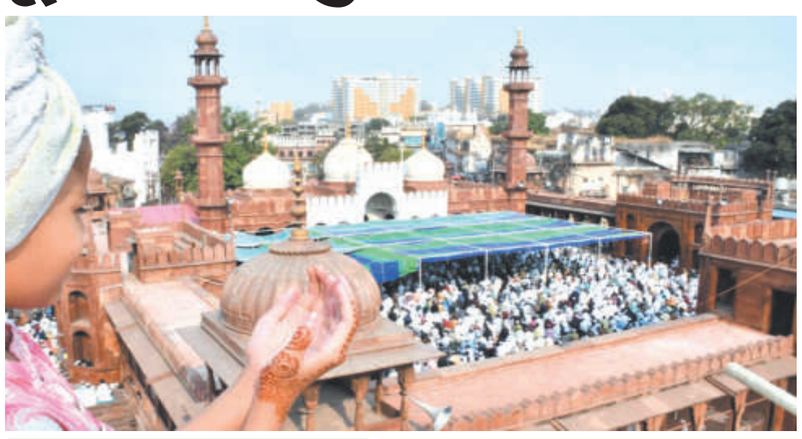

फलस्तीन के समर्थन में बैनर

भोपाल में ईदगाह के बाहर कुछ युवा फलस्तीन के समर्थन में बैनर लेकर खड़े नजर आए। यहां नमाज के बाद फलस्तीन के लोगों के लिए दुआ भी पढ़ी गई। मोती मस्जिद में भी दुआ के दौरान मुफ्ती अब्दुल कलाम साहब ने यमन और फलस्तीन में मासूमों के कत्ल-ए-आम के खिलाफ दुआ कराई। यहां वक्फ बोर्ड की जायदाद की हिफाजत के लिए भी दुआ पढ़ी गई।

काली पट्टी बांधकर पहुंचे नमाजी

भोपाल के ईदगाह और अन्य मस्जिदों में नमाज पढने पहुंचे मुस्लिम धर्मावलंबी बांह पर काली पट्टी बांधकर नमाज पढने पहुंचे। वे वक्फ अमेंडमेंट बिल का विरोध कर रहे थे। बता दें कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मुस्लिम समुदाय से काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण और मौन विरोध प्रदर्शन की अपील की थी। बोर्ड ने कहा था कि अगर ये बिल पारित हो गया तो मस्जिद, दरगाह, मदरसे, कब्रिस्तान और कई अन्य संस्थान उनके हाथ से चले जाएंगे।

मप्र में आज से प्रवेश उत्सव अभियान

पांचवीं पास बच्चों का मिडिल स्कूल में एडमिशन कराएंगे शिक्षक

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का बड़ा बयान सामने आया हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत सरकारी स्कूलों में नर्सरी में बच्चों को भेजने का प्रावधान कर रहे है। स्कूल शिक्षा विभाग मंगलवार से प्रवेश उत्सव अभियान चलाएगा।

एमपी के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या पर बयान दिया हैं। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत सरकारी स्कूलों में नर्सरी में बच्चों को भेजने का प्रावधान कर रहे है। मंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश में एक अप्रैल से 'प्रवेश उत्सव अभियान' चलेगा।

इस कैंपेन में सीएम, मंत्री-विधायकों और जनप्रतिनिधियों से सम्मिलित होने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रवेश उत्सव अभियान के तहत सभी लोग सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए बच्चों और उनके अभिभावकों से चर्चा करेंगे। वहीं उदय प्रताप ने कहा कि राजनीतिक पृष्ठभूमि से हटकर सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों के प्रवेश में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए, ताकि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या में वृद्धि हो।

हैंड ओवर-टेक ओवर की प्रक्रिया होगी शुरू

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग के तहत हम हैंड ओवर-टेक ओवर की प्रक्रिया भी शुरुआत करेंगे। जिसका दारोमदार प्राइमरी स्कूल के हेडमास्टर को सौंपेंगे। 5वीं पास बच्चों को लेकर हेडमास्टर मिडिल स्कूल के बच्चों को संपूर्ण दस्तावेजों के साथ मिडिल स्कूल के हेडमास्टर को सौंपेंगे। इस प्रक्रिया में स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों और कर्मचारी को सम्मिलित किया जाएगा।

आज से 40 जिलों में छाएंगे बादल होगी बारिश

अप्रैल में ओले-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम, आंधी भी चलेगी

भोपाल ■ निसं

अप्रैल के शुरुआती 3 दिनों में मप्र में ओले-बारिश और आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इस वजह से प्रदेश के 40 से ज्यादा जिलों में असर देखने को मिलेगा। इससे पहले सोमवार को रतलाम, मंदसौर, अलीराजपुर और बड़वानी में हल्की बारिश और बादल छाए रहेंगे। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, 24 घंटे के बाद मध्य महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव होने की संभावना है। जिसके पठारी क्षेत्र में ट्रफ के कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी आनी शुरू हो जाएगी, जिससे प्रदेश में भी मौसम बदला रहेगा। अबकी बार अप्रैल की शुरुआत तेज गर्मी की बजाय ओले, बारिश, गरज-चमक और आंधी के साथ हो रही है। कहीं-कहीं आंधी की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा: अप्रैल में लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रहने की संभावना ज्यादा है। इनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। बता दें कि मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है।

आखिरी दिन अटक गया ट्रेजरी का पोर्टल

भोपाल। वित्त वर्ष के अंतिम दिन मध्य प्रदेश सरकार का ट्रेजरी पोर्टल अटक गया। बिलों का भुगतान नहीं हो पाया। रविवार के अंतिम दिन लोक निर्माण विभाग, पीएचई एवं अन्य विभागों के बिलों का भुगतान ट्रेजरी के पोर्टल से नहीं हो पाया। संचालनालय कोष एवं लेखा के अधिकारियों का कहना है। कई विभागों के अधिकारी अंतिम समय तक बिल को रोक कर रखते हैं। अंतिम दिनों में भुगतान के लिए बिल लगाते हैं। ट्रेजरी के पोर्टल में कोई दिक्कत नहीं थी। एक साथ बड़ी संख्या में बिल आ जाने के कारण उनका भुगतान नहीं हो पाया है।

प्रदेश में अभियान शुरू, महिलाओं की बढ़ेगी हिस्सेदारी

जल गंगा अभियान में ताल, तलैया, नालों से अतिक्रमण भी हटेगा

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में जल गंगा सवर्धन अभियान के तहत न सिर्फ नदी, नाले और तालाबों में गंदगी मिलने से रोका जाएगा, बल्कि अतिक्रमण भी साफ होगा। इसके लिए शर्त यह है कि लोगों को जल स्त्रोतों पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ शिकायत लेकर आगे आना पड़ेगा। शहरी क्षेत्र में कार्रवाई के लिए संबंधित नगरीय निकायों को अधिकृत किया गया है। यदि संबंधित निकाय जल स्त्रोत या संरचना को अतिक्रमण मुक्त कराने में ढिलाई करती है तो शासन स्तर पर भी शिकायत की जा सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का दूसरी साल है। इस दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में सरकार द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की औपचारिता तो होगी। ही साथ ही इसे जन सरोकार का अभियान बनाने पर जोर रहेगा। जिसमें लोग खुद तय करेंगे कि उनके शहर के जल स्त्रोत एवं संरचना में गंदगी न मिले। इससे सामाजिक एवं अन्य संस्थाओं को भी जोड़ा जाएगा। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुरूआज शहरी क्षेत्र में हो चुकी है। इसको लेकर संचालनालय नगरीय विकास एवं आवास ने निर्देश जारी किए हैं। जिसमें अभियान से ज्यादा संख्या में महिलाओं को जोडने पर जोर दिया गया है। यानी इस अभियान की कमान महिलाओं के हाथ में रहेगी। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेगा।

साथ-साथ चलेगा बुल्डोजर

यदि जल स्त्रोतों पर बड़े स्तर पर अतिक्रमण किया गया है, जो जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान ही बुल्डोजर चलेगा। इसके लिए संबंधित निकायों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा है कि सभी जल स्त्रोत एवं संरचनाओं की सुरक्षा हो। इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ आम लोगों को भी आगे लाया जाएगा।

मप्र में ईवी वाहनों पर कोई टैक्स नहीं

आज से लागू होगी पॉलिसी, माल वाहन भी ईवी में बदलेंगे

भोपाल ■ निसं

मप्र में ईवी वाहनों की खरीदी पर वाहन या रजिस्ट्रेशन टैक्स में 100 फीसदी तक की छूट मिलेगी। वी पॉलिसी को लेकर नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत ईवी पॉलिसी अगले पांच साल तक प्रभावी रहेगी। खास बात यह है कि दो पहिया से लेकर भारी वाहन, बस एवं अन्य सभी तरह के वाहनों के लिए यह छूट लागू रहेगी। इस बीच राज्य के सरकारी बेड़े से लेकर निजी वाहनों की खरीदी में ईवी की संख्या बढ़ाना है। पॉलिसी में अगले पांच साल तक अलग-अलग श्रेणी के वाहनों की खरीदी का भी लक्ष्य है। जिसमें सरकारी वाहन भी शामिल हैं। पॉलिसी के अनुसार भविष्य में खरीदे जाने वाले सभी तरह के सरकारी वाहन ईवी रहेंगे।

नीति के अनुसार मॉडल पांच शहरों में अगले 5 साल के भीतर हर एक किमी पर एक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य है। राजमार्गों, प्रमुख सडक़ों पर हर 20 किमी पर चार्जिंग स्टेशन। जबकि हाईवों पर हर 100 किमी पर भारी ईवी वानों के लिए फास्ट चार्जिंग स्टेशन होगा। इस अवधि में सभी पेट्रोल पंपों पर एक इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मप्र की ईवी पॉलिसी की तारीफ कर चुके हैं। पिछले महीने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ईवी पॉलिसी के मप्र दूसरे राज्यों को दिशा देगा। मप्र में मौजूदा समय में 2 लाख से ज्यादा ईवी वाहन पंजीकृत हैं। यानी पर्यावरण की दृष्टि से ईवी पॉलिसी लागू करने में मप्र देश में पहला राज्य है।

अब मंत्रियों को मिलेंगे ईवी वाहन: ईवी पॉलिसी के अनुसार पॉलिसी अवधि के अंत तक मप्र सरकार 80 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (सभी प्रकार) शामिल करने का लक्ष्य है। जिसमें मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारियों के लिए भी ईवी वाहन खरीदे जाएंगे। कर्मिशियल उपयोग में आने वाले 100 फीसदी दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक होंगे। साथ ही स्कूटर, बाइक से लेकर बस, ट्रक, ट्रैक्टर और एंबूलेंस भी इलेक्ट्रिक होंगी। इनकी खरीदी पर प्रोत्साहन के रूप में 100 फीसदी तक वाहन कर एवं पंजीयन शुल्क में छूट दी जाएगी। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर को बढ़ावा देने के लिए भी पंजीयन एवं वाहन कर में 100 फीसदी छूट देगी। खास बात यह है कि इनमें से कुछ वाहनों पर वाहन कर एवं पंजीयन कर में छूट दो साल है तो कुछ पर एक साल तक ही मिलेगी।

चार्जिंग स्टेशन के लिए 5 लाख तक सब्सिडी

ईवी वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए सरकार उपकरण/मशीनों का 30 फीसदी मूल्य तक आर्थिक सहायता भी देगी। छोटे, मध्यम, बड़े चार्जिंग स्टेशन के लिए आर्थिक सहायता अलग-अलग होगी। पहले 500 छोटे चार्जिंग स्टेशनों के लिए अधिकतम डेढ़ लाख। पहले 300 मध्यम स्टेशनों के लिए 3 लाख। पहले 200 बड़े चार्जिंग स्टेशनों के लिए अधिकतम 10 लाख सहायता मिलेगी। इसके साथ ही बैटरी स्वैपिंग स्टेशन के लिए 5 लाख तक की सब्सिडी दी जाएगी। यह राशि पहले 300 स्वैप स्टेशनों को दी जाएगी। इसके लिए नोडल एजेंसी एमपी ईवी तरंग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया होगी।

अनमोल वचन

कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है।
रामधारी सिंह दिनकर

जो दीपक को अपने पीछे रखते हैं वे अपने मार्ग में अपनी ही छाया डालते हैं।
रवींद्र ठाकुर

सम्पादकीय

चोर का धन चांडाल खाए, पापी मुंह देखता रह जाए

बहुत पुरानी कहावत है चोर का धन चांडाल खाए पापी मुंह देखता रह जाए यह कहावत पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाई जाती है। यह कहावत वर्तमान युग में भी ज्यादा सटीक बैठती है। वर्तमान समय में चोर, सूदखोर, लालची और अनैतिक ढंग से पाप का पैसा कमाने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पाप की कमाई का धन वह स्वयं तो नहीं खा पाते हैं। उस धन का उपयोग चांडाल के भाग्य और ऐसो-आराम में होता हैं। जिसका धन होता है, वह डर और भय के मारे उसका उपयोग ही नहीं कर पाता है। वह जिसके पास और जहां धन रखता है। वह उसी का होकर रह जाता है। आज यह संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ। दुबई से संचालित फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनियों में लाखों भारतीयों ने अपने काले धन को निवेश किया है। ब्याज और ज्यादा कमाई के लालच में अपनी पाप की कमाई को भारतीय, ऐसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। जो ज्यादा ब्याज और मुनाफा देने का लालच देती हैं। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग अनैतिक रूप से भारी कमाई करते हैं। उस कमाई को छिपाने के लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बेनामी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीद लेते हैं। ज्यादा कमाई और ब्याज के लालच में सूदखोरों के पास जमा करा देते हैं। कमाई के चक्कर में वह अपने अर्जित धन को स्वयं के उपर खर्च भी नहीं कर पाते हैं। चोर को हमेशा भय रहता है, चोरी का माल उसने खर्च किया, तो वह पकड़ लिया जाएगा। रिश्वतखोरों को डर रहता है, कि यदि उसने अपनी कमाई से ज्यादा खर्च किया, तो वह पकड़ा जाएगा। सूदखोर अपने धन का उपयोग इसलिए नहीं कर पाता है। उसे हमेशा लगा रहता है, यदि यह पैसा ब्याज में चला देंगे, तो इतनी कमाई होगी। करोड़ों रुपए कमाने वाला सूदखोर भी अपने और अपने परिवार के ऊपर धन को खर्च नहीं कर पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति बड़े-बड़े उच्च पदों और सरकारी पदों पर बैठे हुए लोगों की होती है। जिनकी कमाई बहुत होती है, वह इसलिए खर्च नहीं कर पाते हैं। यदि वह खर्च करेंगे तो लोगों की नजर में आ जाएंगे। उनका पद खतरे में पड़ जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारी जो पति-पत्नी के रिश्ते में थे। उन्होंने अरबो रुपए की कमाई रिश्वत के रूप में की थी। दोनों जब पकड़े गए और प्रकरण चलते-चलते दोनों की मृत्यु भी हो गई। वह अपने धन का उपयोग नहीं कर पाए। वर्तमान में लोगों का लालच इतना बढ़ गया है। वह अपने धन का उपयोग करने के स्थान पर ज्यादा कमाने के चक्कर में ऐसी कंपनियों में निवेश कर देते हैं, जहां से ज्यादा लाभ मिलने की संभावना होती है। दुबई से संचालित कंपनियों में अरबो रुपए का निवेश भारतीयों द्वारा किया गया है। कंपनी के संचालकों ने पहले भारत में धोखाधड़ी की, भारत से कमाया हुआ धोखाधड़ी का धन लेकर दुबई चले गए। नए नामो से कंपनियां खोल लीं। उनके एजेंट भारत में लालच देकर बड़े-बड़े धन्ना सेठों और अवैध कमाई वालों को दुबई लेकर जाते हैं। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च करते हैं। लालच देकर उनसे अरबो रुपए का निवेश करा लेते हैं, उसके बाद उनकी कंपनी और कर्ता-धर्ता गायब हो जाते है। उनके फोन भी बंद हो जाते हैं। जमा मूलधन गायब हो जाता है। धन वापसी के लिए वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने अनैतिक तरीके से वह धन कमाया होता है। भारत जैसे देश में आयकर विभाग से कमाई छिपाते हैं, टैक्स नहीं देते हैं। गलत तरीके से पैसा विदेश भेज देते हैं। ईड़ी और अन्य जांच एजेंसियों के डर से वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। अवैध तरीके से कमाया हुआ चोरी का धन उनके हाथ से निकलकर चांडलो के पास पहुंच जाता है। वही चांडाल उस पैसे पर ऐश करते हैं। देश और विदेशों में इस तरह के चांडाल बड़ी मात्रा में कुकुरमुत्ता की तरह लोगों के लालच को जगाते हैं। फिर उनका जमा धन हड़प कर लेते हैं। जब धन चला जाता है, तो वह रो भी नहीं पाते हैं। यदि वह रोएंगे तो मूर्ख भी समझे जाएंगे। सरकार उल्टा टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। जो होगा वह भी चला जाएगा। वर्तमान स्थिति में यह कहा जा सकता है। चोर, सूदखोर, लालची और पापी अपने बनाया धन का उपभोक्ता नहीं कर सकते हैं। उनके धन पर हमेशा डाकुओं और चांडालों का ही हक होता है। इस बात को हर कोई जानता है। मानता कोई नहीं है। जिसके कारण लोग लुटते हुए चले आ रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना लिखा रहता है, वही एसो आराम करते हैं। भारत में इस तरह की ठगी करके अरबों रूपया लूटकर हजारों लोग विदेश भाग गए हैं। जो लूटे हैं, वह उन्हें कोस रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना था। वह विदेश भाग कर वहां ऐश कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्राय- हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

सादा जीवन उच्च विचार, भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है

साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख़, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही, जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है।

किशन सनमुखदास भावनानी

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख़ योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व ख़जाना धारे मानवीय योनिं नें सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है। सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया है, इतना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मृत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फूककर जन्म देना रह गया है, जो मेरा मानना है कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा।धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चोबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती है तबतक सब कुछ निकल चुका होता है।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख़, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही, जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है,और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में दयालुता, सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विक्कार जैसे द्वेष, अभिमान अहम, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और

जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार के अर्थ को समझने की करें तो,सादा जीवन का अर्थहै अपनी सीमित आवश्यकताओं के अनुसार, न कि अपने असीमित लालच के अनुसार। सारा तनाव और तनाव इस सूत्र का पालन न करने का परिणाम है।आध्यात्मिक जीवन सादा जीवन उच्च विचार के अलावा और कुछ नहीं है। भगवत गीता कहती है कि सादा जीवन और उच्च विचार ही आर्थिक समस्याओं का समाधान है। जो व्यक्ति सादा जीवन जीने में विश्वास रखता है, वह न तो अपने लिए और न ही दूसरों के लिए समस्याएँ खड़ी करता है। जो व्यक्ति उच्च विचारों में लीन रहता है, वह वास्तव में निस्वार्थ व्यक्ति बन जाता है।

साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े-बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति ज़रूरी है और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है। यूं भी कोई अस्त-व्यस्त, भ्रमित, दुविधाग्रस्त और दबाव में नहीं रहना चाहता। भीड़ चाहे लोगों की हो या वस्तुओं की, इच्छाओं की हो या अपेक्षाओं की, व्यक्ति की एकाग्रता को भंग करती है और उसे जीवन के अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति उदासीन बनाती है। भीड़ में खुद को गुम होने से बचाने का प्रयास ही सहज-सरल जीवन की कुंजी है।

साथियों बात अगर हम सादगी की करें तो, सादगी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता आती है। जैसे ही उसके भीतर यह चेतना आती है कि जीवन में क्या और क्यों महत्वपूर्ण है, वह इच्छाओं का सही प्रबंधन करने लगता है। इससे दुविधाएं कम होती हैं और दृष्टिकोण में स्पष्टता आती है। समय-समय पर अपनी जरूरतों और इच्छाओं का आकलन करना जरूरी है। कई बार ऐसा भी होता है कि जिस चीज से आज सुविधा महसूस होती है, वही भविष्य में असुविधा का कारण बन जाती है। हो सकता है, बड़ा घर लेना आज किसी की ख्वाहिश हो मगर उम्र बढने् के साथ यही घर असुविधाजनक हो सकता है क्योंकि वह इसका रखरखाव अच्छी तरह करने में असमर्थ होता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो, यह कहावत हमें सिखाती है कि हम अपने जीवन को और भी मूल्यवान बना सकते हैं सिर्फ व्यर्थ के धन और सामान आदि चीजों को नजरंदाज करके। ये हमें सच्ची ख़ुशी और आतंरिक संतुष्टि प्रदान करता है।ये यह भी बताता है कि सच्ची ख़ुशी हमारे विचारों में ही होती है ना कि किसी और चीजों में। ये हमें प्रेरित करती है कि हम अपनी जड़ों को पहचाने और किसी भी तरह के समृद्धि पाने वाले कार्य को नजर अंदाज करें। जीवन का सही मूल्य हमारे भौतिकवादी अधिग्रहण में नहीं है, बल्कि यह वह है जिसमें हम सोचते हैं, करते हैं, और प्रतिदिन हम कितने जीवन को छूते हैं।सादा जीवन उच्च विचार यह कहावत हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करती है कि हम अपने जीवन को समृद्ध के बजाय अधिक सार्थक बनायें। यहाँ जीने के साधारण तरीके से मतलब है जीवन जीने का एक सरल और गैर-महंगा मानक। हमें केवल सिर्फ उन चीजों के लिए ही चिंता करनी चाहिए जो हमारे जीवन के लिए बेहद आवश्यक है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सादा जीवन उच्च विचार भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है।सादा जीवन उच्च विचार सहज सरल जीवन की कुंजी है।सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता,चेतना आती है।दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं।

(लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज़्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

समाज में कितना पतन बाकी है? यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है? महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी सँग मिलकर मर्चेंट नेवी मे अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े किये। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायी। माँ,बाप,भाई, दोस्त,पार्टनर को मारने की खबरें आम हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज़्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें ज़रूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना ज़रूरी है-परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मज़बूत करना और अपराध रोकने के लिए सख़्त क़दम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नज़र डालते हैं, तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की ख़बरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है।

समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की क़ीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं लेकिन ख़ुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था। लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे ग़लत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे चरम क़दम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और ग़लत का फ़र्क़ कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है।

कर्म करें, सब कुछ प्रभु पर छोड़ दें

संजय गोस्वामी

अपने व्यक्तिगत जीवन में कौन क्या कर रहा है, क्या खाता है, कैसे रहता है, इससे आपका संबंध ही क्या? आप क्यों परेशान हो रहे हैं और क्यों इसकी चर्चा कर रहे हैं? यदि समाजिक अन्याय हो, केवल तब ही आपको बोलना चाहिए।यथासंभव किसी की बुराई की चर्चा न करो, न बुराई देखो, न बुराई सुनो। किसीकी बुराई में रुचि लेने से हमारे मन पर बुरे संस्कार पड़ जाते हैं, हमारे भीतर भी बुराई आ जाती है। हाँ, स्वस्थ आलोचना जो सद्भावना प्रेरित हो और मधुरता से ओतप्रोत हो, हितकर होती है। संसार में अधिकांश लोग अपने-अपने स्वार्थों में फँसे हुए हैं तथा जहाँ भी किसी का कोई स्वार्थ टकराता है, वह आपकी व्यर्थ निन्दा शुरु कर देता है। मनुष्य किस-किस क्षेत्र में कहाँ तक हटे ? कभी-कभी संघर्ष करना जरूरी हो जाता है। संघर्ष से व्यक्तित्व निखरता है और प्रभाव बढ़ता है। संघर्ष में साथी और विरोधी भी परिस्थिति के अनुसार बदलते रहते हैं। जो कल विरोधी था, वह आज साथी हो सकता है और जो कल साथी था, वह आज विरोधी हो सकता है। केवल मित्रता स्थायी होती है, किंतु मित्र तो जीवन में एक-दो ही होते हैं। उदारताजन्य सद्भावना सबके लिए होनी चाहिए, यद्यपि मित्रता तो एक-दो से ही हो सकती है। उदारता अथवा सद्भावना का अर्थ तुष्टीकरण कदापि नहीं होता है। संघर्ष में अपराध-वृत्तिवाले (क्रिमिनल) दुष्टों का सहारा लेकर विजय पाने पर भी आपको एक दिन पराजय का मुँह देखना पड़ेगा; क्योंकि वे अंत में आपको भी शिकार बनाये बिना न रह सकेंगे। संघर्ष में यह स्मरण रखना उचित है कि किसी व्यक्ति के प्रति मन में घृणा और क्रोध नहीं बसा लेना चाहिए तथा घृणा और क्रोध से प्रेरित होने के बजाय न्याय एवं सत्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। हम समाज-हित में, न्याय के समर्थन में, संघर्ष करें तथा दुष्ट को दण्ड दें, किंतु घृणा अथवा बदले की भावना से किसी को नष्ट करने के लिए उतारु न हो जाएँ। ईश्वर जिसे आयु और आजीविका प्रदान करता है, हमें मूर्खतावश उसके साथ एक क्षणभर में ही उकताहट हो जाती है। जिसे प्रभु जीवन का अवसर दे रहा है, हमें उससे घृणा करने का अधिकार नहीं है। विरोध एवं संघर्ष करते हुए भी हम इंसानिय न खो बैठे तथा संघर्ष एवं विरोध का दायरा सीमित ही रखें। धीरे-धीरे जब मनुष्य विचार-क्षेत्र में ऊँचे स्तर पर आ जाता है, तब वह जीवन में अधिक उदात्त होकर तथा अधिक ऊँची वस्तुओं में रुचि लेकर तुच्छ प्रकार के संघर्ष करना छोड़ देता है तथा अधिक उपयोगी दिशा में संघर्ष करना प्रारंभ कर देता है। यह पलायन नहीं, बुद्धिमता होती है, जीवन में स्वस्थ मोड़ होता है। इसे पलायन कहना भूल होती है। पलायन के मूल में भय होता है तथा मोड़ का कारण होता है-मन का ऊँचे धरातल पर पहुँचना। सन्त-वृत्ति अपनाने पर तथा आध्यात्मिक रुचि ग्रहण कर लेने पर, मनुष्य धन अथवा पद आदि के लिए लौकिक संघर्ष से अधिक-से-अधिक संभव सीमा तक दूर हटकर स्वाध्याय, ज्ञानार्जन, ध्यान के अभ्यास, प्रार्थना, परोपकार, सेवाकार्य आदि में जुट सकता है। यह रुचि परिष्कार कहलाता है। अरविंद घोष सहसा राजनीति से हटकर अध्यात्म में लग गये थे।सन्त क्षमादान कर प्रभु के दैवी न्याय पर सब कुछ छोड़ देता है। सन्त के लिए अपने व्यक्तिगत मामले में क्षमादान देना श्रेष्ठ होता है, किंतु यदि अन्य जन पर अन्याय हो रहा हो, तो उसका प्रतिरोघ करना सदैव समुचित हैं। जब आप पर अन्याय हो रहा है, तो दो ही राह हैं- घृणा को त्यागकर कर्त्तव्य ने नाते अत्याचार का प्रतिरोघ करें तथा संघर्ष करें और जो भी फल हो उसे स्वीकार कर लें अथवा संतभाव को अपनाकर सब कुछ प्रभु पर छोड़ दें तथा अन्यायी के लिए भी सद्भावना ही करते रहें। नादिरशाही अन्याय का अन्त अवश्य होगा। एक छोटी-सी चींटी हाथी के लिए, एक छोटा-सा छिद्र विशाल नौका के लिए, एक नगण्य मनुष्य अत्याचारी के लिए घातक सिद्ध हो जाता है। कमजोर पिट जाता है, किंतु सतानेवाला मिट जाता है।

खास बात

संसद में पति-पत्नी भाई बहन पिता पुत्र पुत्री के आत्मीय संबंध चर्चाओं में

लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को आसंदी से चेतावनी देते हुए कहा था। सदन में भाई-बहन, पिता पुत्र, पति-पत्नी एक साथ सदस्य रहे हैं। सदन की उच्च परंपरा रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सदन में अपना व्यवहार सुधारें। यह कहते हुए उन्होंने सदन की कार्यवाही 1 घंटे के लिए स्थगित कर दी थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भाजपा सदस्यों को भाई बहन का प्यार रास नहीं आ रहा है।राहुल गांधी अपनी बहन के हाथ में हाथ डालकर सदन के अंदर पहुंचते हैं। प्रियंका का कभी गाल पकड़ कर लाड दिखाते हैं। भाजपा नेताओं को भाई बहन का यह प्रेम पसंद नहीं है।भाजपा नेताओं का कहना है, अखिलेश और डिंपल यादव, पति-पत्नी की तरह सदन में आते हैं। पप्पू यादव और रंजीत रंजन एक साथ लोकसभा के सदस्य हैं। मेनका और वरुण भी मां और पुत्र के रूप में सदन के सदस्य रहे हैं। जिस तरह का प्यार राहुल और प्रियंका एक दूसरे के प्रति दिखाते हैं।वैसा अन्य कोई सांसद नहीं दिखाता है। यह बात अलग है, सत्ता पक्ष के लिए राहुल गांधी निशाने पर हैं।उनकी बहन प्रियंका मे इंदिरा गांधी की छवि दिखती है। वह जब भी बोलती हैं, सत्ता पक्ष हतप्रभ रह जाता है। भड़ास किसी न किसी रूप में तो निकलेगी ही।

महाराष्ट्र की विधानसभा आसंदी पर लेनदेन का आरोप

संसद में महुआ मोइत्रा की सांसदी पैसे लेकर प्रश्न पूछने के मामले में समाप्त कर दी गई थी। भाजपा के सांसदों ने महुआ मोइत्रा पर आरोप लगाया था।आनन फानन में उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। अब यही आरोप महाराष्ट्र के विधायकों और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय पर लग रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा में पैसे लेकर सवाल पूछने का मामला तूल पकड़ गया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने आरोप लगाया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के कार्यालय को पैसे देकर स्थगन प्रस्ताव और विधानसभा में प्रश्न पूछने के लिए अध्यक्ष कार्यालय को मैनेज किया जा रहा है। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और उन्हीं प्रश्न में अनुमति मिलती है। जिसके बारे में विधायकों के साथ लेनदेन हो जाता है। इस समय विधानसभा में ढेर सारे ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आ रहे हैं।जिसके कारण बजट पर भी चर्चा नहीं हो पा रही है।महाराष्ट्र के कई विधायकों के प्रश्न नहीं लग रहे हैं। जिसके कारण यह मामला तूल पकड़ रहा है।

कर्नाटक में भाजपा के बॉस, पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा

कर्नाटक भाजपा की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदुरप्पा का दबदबा आज भी बना हुआ है। कर्नाटक में उन्हें भाजपा का बॉस कहा जाता है। उनके पुत्र बी वाई विजेंद्र का जिन भाजपा नेताओं ने विरोध किया। उन्हें पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता बासन गोंडा पाटिल को 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है।जिससे उनके दबदबे की पुष्टि हो गई है।जो बगावत कर्नाटक भाजपा में देखने को मिल रही थी। वरिष्ठ नेता के निलंबित होते ही कर्नाटक भाजपा में शांति छा गई है। कर्नाटक में येदुरप्पा जो चाहेंगे, वही होगा, भाजपा के केंद्रीय नेताओं की भी कोई हैसियत कर्नाटक में नहीं है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि तीज, मंगलवासरे, भरणी नक्षत्रे, विवयोगे, गर करणे, मेष की चंद्रमा, भद्रा 35/02 सौभाग्य सुंदरी, गणगौर तीज, अरुंधती व्रत, विनायकी व्रत, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल प्रशासक, जिद्दी-हठी, बैंक कर्मचारी, लिपिक, लेखापाल, कोसालय अधिकारी, अकाउंटेन्ट, बैंक प्रबंधक, मार्वेसटिंग मैनेजर, सेल्समैन होगा।

मेष राशि- विशेष कार्य स्थिगित रखें, अचानक घटना का शिकार होने से बचें, ध्यान रखें।

वृष राशि- सफलता के साधन जुटायें, समय की अनुकूलता से लाभ, चिन्ता के कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि- अधिकारियों से लाभ स्थगित रखें, अन्यथा विवाद-क्लेश संभव बन जायेगा।

कर्क राशि- विरोधी प्रबल होंगे परेशान करने की स्थति पैदा करेंगे, जल्दबाजी से हानि होगी।

सिंह राशि- भाग्य का सितारा प्रबल, धन का व्यय होगा, सुख-वृद्धि, कार्य वृद्धि अवश्य होगी।

कन्या राशि- संतान सुख तथा सम्पन्नता के योग अवश्य ही बनेंगे, मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशि- कार्य-कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे, मित्रों से परेशानी अवश्य बनेगी।

वृश्चिक राशि- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा तथा कुटुम्ब की समस्या जटिल होगी।

धनु राशि- स्त्री कष्ट, समय और धन नष्ट न होवे तथा विरोधी समस्याओं से बचकर चलें।

मकर राशि- षड़यंत्र व कष्ट सामने आये किन्तु कुटुम्ब से लाभ तो होगा किन्तु कष्ट होगा।

कुंभ राशि- षड़यंत्रकारी विरोधी विवाद करने के लिए उग्र होंगे, विवाद को टाले नहीं तो हानि होगी।

मीन राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, व्यवधान, चिन्ता बनेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

1 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.35 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.15 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.13 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.26 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.43 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.54 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.05 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.20 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.36 बजे से
		मकर	01.41 बजे से
		कुंभ	03.28 बजे से
		मीन	05.00 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2025 वर्ष का 91 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 02.33 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 11.07 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 09.48 बजे को समाप्त। **करण** गर 05.43 बजे, वणिज 16.05 बजे तदनन्तर विष्टि 02.33 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 02.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872301 **जूलियन दिन** 2460766.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी, मासिक कार्तिगाई, बैंक अवकाश।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की धमकी पर ईरान ने कहा- जवाब देने मिसाइलें तैयार हैं

तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से तनाव के बीच कहा कि ईरान के परमाणु समझौता न करने पर बमबारी की जाएगी। साथ ही ट्रंप ने ईरान पर द्वितीयक टैरिफ लगाने की भी धमकी दी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कठोरता के साथ देश के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत करने से इनकार करके कहा है कि किसी भी तरह का जवाब देने के लिए उनकी मिसाइलें तैयार हैं। अल जजीरा न्यूज चैनल और तेहरान टाइम्स की खबर के अनुसार ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि ईरान परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के साथ सीधी बातचीत नहीं करेगा। अलबत्ता वह अप्रत्यक्ष वार्ता कर सकता है। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर तेहरान वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं करता है, तो बमबारी और द्वितीयक टैरिफ का सामना करने के लिए तैयार रहे। तेहरान में रविवार को कैबिनेट की बैठक में पेजेशकियन ने कहा कि हमने ओमान के माध्यम से अमेरिकी राष्ट्रपति के पत्र का जवाब दिया है। पत्र में सीधी बातचीत के विकल्प को खारिज करके कहा गया है कि हम अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए तैयार हैं। उधर, ट्रंप की बढ़ती धमकियों के बीच ईरान ने संभावित प्रतिक्रिया के लिए मिसाइलें तैयार कर ली हैं। ईरान की सेना ने कहा कि उसकी मिसाइलें सभी भूमिगत मिसाइल शहरों में लॉन्चरों पर लोड की गई हैं और वे लॉन्च के लिए तैयार हैं। ट्रंप अगर कुछ भी कदम उठाते हैं, तो अमेरिका और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

प्रधानमंत्री ओली ने नेपाल के पूर्व राजा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की दी चेतावनी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आज काठमांडू में शुक्रवार को हुई हिंसक झड़प, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाई हैं। ओली ने कहा कि पूर्व राजा अपने आपको संविधान और देश की कानून से ऊपर मानते हैं, जिसका उनको खामियाजा भुगतना पड़ेगा। संसद की प्रतिनिधि सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने सोमवार को कहा कि पहले वीडियो संदेश जारी करके शासन व्यवस्था बदलने के लिए आम लोगों को अपना समर्थन करने की बात करना और उसके बाद हजारों लोगों को सड़कों पर उतारकर अपने स्वागत में इकट्ठा करना कानूनन गलत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस संविधान के तहत उन्हें अभी भी पूर्व राष्ट्र प्रमुख की हैसियत से सभी सरकारी सुविधा और सुरक्षा दी जा रही है, उसी संविधान के खिलाफ वो लोगों को भड़का रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि शुक्रवार को काठमांडू में हुए हिंसा, आगजनी, लूटपाट, पत्रकार के जिंदा जलाने की घटना के लिए सिर्फ पूर्वराज ज्ञानेन्द्र ही जिम्मेदार हैं और उनको इसकी कीमत चुकानी होगी। ओली ने कहा कि इन सब घटनाओं के लिए एक आम नागरिक की तरह ही पूर्व राजा के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करनी होगी।

पांच साल बाद दिल्ली की आबोहवा हुई कुछ साफ

नई दिल्ली। इस साल दिल्ली में मार्च का महीना पिछले पांच सालों की तुलना में सबसे कम प्रदूषित रहा है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के मुताबिक साल 2025 मार्च के महीने में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 170 दर्ज किया गया, जो पिछले पांच साल में सबसे कम है। सोमवार को आयोग ने आंकड़े जारी कर बताया कि 2021, 2022, 2023 और 2024 के दौरान मार्च महीने का औसत एक्यूआई क्रमश: 223, 217, 170 और 176 रहा है। जनवरी-मार्च, 2025 की तिमाही के लिए दिल्ली का औसत एक्यूआई भी पिछले 5 वर्षों के दौरान सबसे अच्छा रहा है। इस तिमाही के दौरान औसत एक्यूआई 2025 में 231 रहा, जबकि 2024 में यह 250, 2023 में 240, 2022 में 241 और 2021 में 278 रहा था।

गाजा में इजराइल ने फिर बरसाए बम, नौ लोगों की मौत

गाजा पट्टी। इजराइल के सुरक्षा बलों की गाजा में की गई ताजा बमबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इस बीच फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने 15 आपातकालीन कर्मचारियों के शव बरामद किए हैं। इनके वाहनों पर एक सप्ताह पहले दक्षिणी गाजा में राफाह के पास गोलीबारी की गई थी। खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी हमला जारी रखा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास को युद्धविराम के अंतिम चरण तक पहुंचने के लिए अपने हथियार डालने चाहिए। वह अपने लड़ाकों को गाजा से बाहर करे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल के युद्ध में कम से कम 50,277 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 114,095 घायल हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने लगभग दो महीने पहले अपने मृतकों की संख्या को 61,700 से अधिक बताया था।

पंजाब में किसानों ने आप के मंत्रियों और विधायकों के घरों का घेराव किया

पंजाब में किसान संगठनों ने अब आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस कार्रवाई और किसान नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में आंदोलकारी किसानों ने सोमवार को पंजाब में आप के मंत्रियों और विधायकों के घरों का घेराव किया। गौरतलब है कि 19 मार्च को जब किसान नेता चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों के साथ वार्ता कर लौट रहे थे, तब पंजाब पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था और शंभू व खनौरी बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाई करते हुए धरनास्थलों को खाली करा लिया था। हालांकि, 19 मार्च को गिरफ्तार हुए सभी किसान नेताओं को रिहा कर दिया गया है लेकिन खनौरी और शंभू बॉर्डर पर 13 महीनों से चला आ रहा धरना हटा दिया गया।

जल विद्युत उत्पादन में दस फीसदी बढ़ोतरी, अब परमाणु बिजली पर फोकस : मनोहर लाल

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि वर्ष 2024-25 में देश में जल विद्युत उत्पादन में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाकर केंद्रीय परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु व राजस्थान में 5900 मेगावाट परमाणु बिजली का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है।

मनोहर लाल ने सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों को बताया कि वर्ष 2025-26 में 34,855 मेगावाट नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता में बढ़ोतरी होगी। इनमें सौर ऊर्जा से लेकर पवन और हाइब्रिड बिजली उत्पादन शामिल है। केंद्र सरकार का लक्ष्य पहाड़ी क्षेत्रों में जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देना है और मैदानी इलाकों में सौर ऊर्जा

को बड़ा विकल्प बनाने पर फोकस है। वर्ष 2024-25 (अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025) के दौरान जल विद्युत उत्पादन एक लाख 39 हजार 780 मिलियन यूनिट (एमयू) था, जबकि 2023-24 की इसी अवधि के दौरान यह एक लाख 27 हजार 038 एमयू था, जो जल विद्युत उत्पादन में 10 प्रतिशत की वृद्धि है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देशभर में ग्रिड स्टेशनों के साथ पावर प्लांट और ट्रांसमिशन अपग्रेड पर फोकस है। वर्ष 2025-26 में देश में उपभोक्ताओं की मांग 277 गीगावाट रहने की उम्मीद है, जबकि देश की वर्तमान स्थापित उत्पादन क्षमता 470 गीगावाट है। सरकार ने अप्रैल, 2014 से 238 गीगावाट उत्पादन क्षमता बढ़ाकर बिजली की कमी के गंभीर मुद्दे का समाधान किया है। 2014 से 2,01,088 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) ट्रांसमिशन लाइनों, 7,78,017 एमवीए परिवर्तन क्षमता और 82,790 मेगावाट अंतर-क्षेत्रीय क्षमता को जोड़ा गया है, जिससे देश के एक कोने से दूसरे कोने तक 1,18,740 मेगावाट बिजली स्थानांतरित करने की क्षमता है।

गृह मंत्री ने अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में महाराज अग्रसेन की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया

पांच साल में देश का कोई जिला ऐसा नहीं होगा जहां मेडिकल कॉलेज न हो : शाह

हिसार ■ एजेंसी

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सदृढ़ और बेहतरीन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में आने वाले पांच साल में देश का एक भी ऐसा जिला नहीं बचेगा जहां मेडिकल कॉलेज नहीं होगा। भाजपा शासित राज्य के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाए जाने को लेकर पहले से ही काम चल रहा है। इतना ही नहीं आने वाले पांच वर्षों में मेडिकल की 85 हजार सीटें भी बढ़ाई जाएंगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को जिले के महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां महाराज अग्रसेन की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही मेडिकल कॉलेज में नवनिर्मित आईसीयू का उद्घाटन और पीजी छात्रावास का शिलान्यास भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडोली सहित अनेक नेता मौके पर मौजूद थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य के लिए काम किए है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर महिलाओं को उपलब्ध करवाए, यह महिला के स्वास्थ्य से जुड़ा पहलू था। ऐसे ही

शौचालय बनाकर दिए। इसके बाद योग मिशन आया, फिट इंडिया, पोषण अभियान भी इसी तर्ज पर शुरू हुए। मिशन इंद्रधुष के जरिये बच्चों की रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाया। आयुष्मान योजना, जल जीवन मिशन यह सब स्वास्थ्य से जुड़ी हुई हैं।

अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर खास तौर पर काम कर रही है। 64 हजार करोड़ रुपये पब्लिक और कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए खर्च किए गए। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में आज देश में 23 एम्स हैं। नरेन्द्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने तो थे तो देश में 7 एम्स थे। इनमें से 6 तो अटल जी के समय के थे। कांग्रेस के राज में एक ही एम्स बना। इसी तरह से मेडिकल कॉलेज की संख्या में इजाफा किया गया। 387 से दोगुनी करके इनकी संख्या 766 हो गयी है। मेडिकल की सीटों में भी बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में मेडिकल कॉलेज में 85 हजार एमबीबीएस की सीट और बढ़ेंगी और आने वाले वक्त में 2 लाख मेडिकल सीट हो जाएंगी। इसी के अनुपात में पैरामेडिकल की सीटों में भी इजाफा होगा।

गृहमंत्री शाह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सादगी स्वभाव और कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी शांत, सौम्य व्यक्तित्व के साथ-साथ एक कुशल प्रशासक भी हैं। हरियाणा में अब पहले की तरह नौकरियों में भेदभाव, जातिवाद नहीं किया जा रहा। एक क्षेत्र के लोगों को तवज्जों नहीं दी जाती बल्कि बिना खर्ची पर्ची के अब युवाओं को रोजगार मिलते हैं। ऐसी व्यवस्था नायब सरकार ने की है, जो उदाहरण बनी है। हरियाणा में बिना पर्ची और खर्ची के पारदर्शिता से नौकरी की व्यवस्था कायम होने से युवाओं में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है।

कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया ने किया वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन

नई दिल्ली। कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) ने वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है और जनप्रतिनिधियों को भी इससे पैदा हो रहे जमीन विवादों के स्थायी समाधान के तौर पर इसे स्वीकार करने की अपील की है। ईसाई धर्मावलंबियों की संस्था ने संविधान में दी गई गारंटी के तहत धार्मिक अल्पसंख्यकों के तौर पर उनके अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। सीबीसीआई ने सोमवार को एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है, यह एक वास्तविकता है कि मौजूदा केंद्रीय वक्फ अधिनियम में कुछ प्रावधान संविधान और देश के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ असंगत हैं। उदाहरण देते हुए अल्पसंख्यक इसाईयों की इस संस्था ने कहा कि केरल में वक्फ बोर्ड ने मुनंबम क्षेत्र में 600 से अधिक परिवारों की पैतृक आवासीय संपत्तियों को वक्फ भूमि घोषित करने के लिए इन प्रावधानों का इस्तेमाल किया है।

आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट कर जैव प्रौद्योगिकी पर मांगा सहयोग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वाई. सत्य कुमार ने आज यहां केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट की और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राज्य को और अधिक सहयोग की मांग की।

चर्चा के दौरान दोनों नेताओं ने राज्य में जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने तथा केंद्रीय सहायता से चल रही पहलों को आगे बढ़ाने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श किया। सत्य कुमार ने मोदी सरकार के सहयोगी रवैये के लिए आभार व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य सेवा में प्रगति और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए जैव प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए आंध्र प्रदेश की प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

उन्होंने राज्य में अत्याधुनिक नवाचार लाने के लिए सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के तहत जैव प्रौद्योगिकी एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र बना हुआ है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और टिकाऊ स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश ऐसी प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आंध्र प्रदेश भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बायोफार्मास्युटिकल अनुसंधान, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कृषि जैव प्रौद्योगिकी समाधान जैसे क्षेत्रों में एक प्रमुख राज्य के रूप में उभरा है। राज्य में कई बायोटेक इनक्यूबेटर और अनुसंधान संस्थान हैं, जो नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सहायक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) फंडिंग और राष्ट्रीय बायोटेक मिशन जैसी पहलों के साथ आंध्र प्रदेश ने बायोटेक स्टार्टअप और उद्योग साझेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि सहयोग के लिए नए सिरे से प्रयास का उद्देश्य राज्य को भारत के व्यापक जैव प्रौद्योगिकी योजना में और अधिक शामिल करना है।

भव्य और दिव्य महाकुंभ प्रतियोगिता का परिणाम घोषित अजमेर के विवेक और बंगाल की लावण्या रहे प्रथम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा महाकुंभ मेला-2025 की थीम पर आधारित अखिल भारतीय चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया है।

इस प्रतियोगिता में देशभर के 68 हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। शिक्षा मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर राजस्थान के छात्र विवेक शर्मा और पीएम श्री केवी नंबर 1, बिन्नागुड़ी कैंट, पश्चिम बंगाल की छात्रा लावण्या ठाकुर ने क्रमश: ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।

प्रतियोगिता में पीएम श्री, एनवीएस, दौसा, राजस्थान के छात्र लक्षराज जोरवाज और भरत राम ग्लोबल स्कूल, गाजियाबाद, उप्र. की छात्रा मायरा गोडवाज दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अवनीश नंद, (पीएम श्री एनवीएस, बहुआर, सोनभद्र) और अनुष्का दास (केवीएस, बोलपुर, पश्चिम बंगाल) तीसरे स्थान पर रहे।

बयान में कहा गया है कि ड्राइंग और पेंटिंग दोनों श्रेणियों में विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र के लिए चुना गया। प्रत्येक श्रेणी के लिए प्रथम पुरस्कार 15,000 रुपये है, जबकि दूसरे और तीसरे पुरस्कार क्रमश: 10,000 रुपये और 7,000 रुपये हैं। दोनों श्रेणियों में प्रमाण पत्र और उपहार सहित दस सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने महाकुंभ मेला-2025 की थीम पर आधारित अखिल भारतीय चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिता देश भर के केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों के कक्षा 6 से 8वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। यह प्रतियोगिता भव्य महाकुंभ, दिव्य महाकुंभ और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' - इन तीन विषयों पर आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को इस आयोजन के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों को समझने के लिए प्रोत्साहित करना था ताकि वे विविधता में एकता की भावना की सराहना कर सकें और उत्सव मना सकें।

पीएमईजीपी में पारंपरिक कारीगरों के लिए आठवीं कक्षा तक शैक्षिक आवश्यकता की प्रवेश बाधा हटाने की सिफारिश

रांची ■ एजेंसी

राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा की अध्यक्षता में उद्योग पर विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के निष्पादन की समीक्षा से सम्बन्धित अपनी 328वीं रिपोर्ट संसद में पेश कर दी है। इसमें समिति ने पारंपरिक कारीगरों के लिए आठवीं कक्षा तक की शिक्षा संबंधी आवश्यकता की प्रवेश बाधा को हटाने की सिफारिश की है। समिति ने कहा है कि नैनो श्रेणी के तहत आवेदकों को विशेष विशेषाधिकार या अतिरिक्त लाभ प्रदान किया जाए, क्योंकि 327वें प्रतिवेदन (2025-26) में पहले ही एक नई नैनो श्रेणी (मौजूदा सूक्ष्म, लघु या मध्यम श्रेणियों के अलावा) बनाने की सिफारिश की जा चुकी है। इसलिए पारंपरिक कारीगरों के लिए आठवीं कक्षा तक की शिक्षा संबंधी

आवश्यकता की प्रवेश बाधा को हटा दिया जाए। तेजी से अनुमोदन की सुविधा और प्रक्रियागत देरी को कम करने के लिए एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली लागू करें। अयोग्य आवेदकों को छांटने के लिए एक स्वचालित, मेन्यू-संचालित आवेदन प्रपत्र स्थापित करें। सेवा वितरण में सुधार के लिए पीएमईजीपी परिचालन में एआई प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की सिफारिश की गई है। समिति ने सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में पीएमईजीपी आवेदनों पर वास्तविक समय अपडेट प्रदान करने के लिए एक मोबाइल-आधारित अधिसूचना प्रणाली लागू करने की सिफारिश करते हुए कहा है ।

कि लाभार्थियों के लिए फॉर्म सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और देरी को कम करने के लिए पूर्व निर्धारित राशि तक के ऋण आवेदनों के लिए स्व-प्रमाणन तंत्र को लागू करें। उद्यमियों के लिए क्षमता निर्माण पहल को मजबूत करने, उन्हें निरंतर सहायता प्रदान करने और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से डिजिटल साक्षरता, वित्तीय प्रबंधन और उद्यमिता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की सिफारिश की गई है। इसमें डिजिटल कौशल कार्यक्रम शुरू करने पर जोर देते हुए कहा गया है कि रोजगार सृजन के लिए युवाओं और महिला कारीगरों पर विशेष ध्यान देते हुए मीडिया, कार्यशालाओं, जागरुकता शिविरों और सोशल मीडिया के माध्यम से जागरुकता बढ़ाई जाए।

वायुसेना ने तीन परिवहन विमानों के जरिए अब तक 96.3 टन राहत सामग्री पहुंचाई- सेना की 118 सदस्यीय टीम 60 बिस्तरों का अस्पताल बनाने के लिए आगरा से रवाना

म्यांमार में भूकंप के बाद भारत ने तीनों सेनाओं के जरिए तेज किया ऑपरेशन 'ब्रह्मा'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

म्यांमार में आए भूकंप के बाद भारत ने तीनों सेनाओं के जरिए अपना ऑपरेशन 'ब्रह्मा' तेज कर दिया है। नौसेना के दो जहाजों ने यांगून पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया है। इसके अलावा दो और जहाज म्यांमार के लिए रवाना किये गए हैं, जो मंगलवार को पहुंचकर ऑपरेशन में शामिल होंगे। भारतीय सेना की 118 सदस्यीय फील्ड अस्पताल इकाई भी सोमवार को आगरा से मांडले के लिए रवाना की गई है। यह टीम 60 बिस्तरों वाला चिकित्सा उपचार केंद्र स्थापित करके भूकंप प्रभावितों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराएगी। भारतीय वायु सेना ने तीन परिवहन विमानों के जरिए अब तक 96.3 टन राहत सामग्री पहुंचाई है।

भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के साथ मिलकर भूकंप प्रभावित म्यांमार में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) प्रयासों को आगे बढ़ाया जा रहा है। नौसेना के कमोडोर रघुनाथ नायर ने आज बताया कि म्यांमार में 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत सरकार ने सहायता प्रदान करने के लिए

शुरू किया ऑपरेशन %ब्रह्मा% तेज कर दिया है। नौसेना ने इसके लिए चार जहाजों को तैनात किया है, जिसमें से जहाज सतपुड़ा और सावित्री 29 मार्च को यांगून के लिए 40 टन मानवीय सहायता लेकर रवाना किये गए थे।

दोनों जहाजों ने म्यांमार पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा अंडमान और निकोबार कमान से भारतीय नौसेना के जहाज करमुक और एलसीयू 52 भी मानवीय सहायता और आपदा राहत संचालन में सहायता के लिए 30 मार्च को यांगून के लिए रवाना किये गए हैं। इन जहाजों पर लगभग 52 टन राहत सामग्री लादकर भेजी गई है, जिसमें आवश्यक कपड़े, पीने का पानी, भोजन, दवाइयां और आपातकालीन राहत सामग्री है। नौसेना इस क्षेत्र में 'पहला प्रतिक्रियादाता' बने रहने के भारत के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है। दो जहाजों को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के श्री विजयपुरम बंदरगाह में स्टैंडबाय पर रखा गया है। इन्हें मंगलवार को रवाना किया जाएगा और दोनों जहाज लगभग उसी समय म्यांमार पहुंचेंगे, जब वहां पहले से मौजूद दो जहाज वापसी के लिए रवाना होंगे।

सेना की ओर से बताया गया है कि म्यांमार में 28 मार्च को आए भूकंप के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में भारतीय सेना ऑपरेशन ब्रह्मा के हिस्से के रूप में तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष चिकित्सा कार्य बल तैनात कर रही है। लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल के नेतृत्व में शत्रुजीत ब्रिगेड मेडिकल रिस्पॉन्डर्स की 118 सदस्यीय एयरबोन एंजल्स टीम आवश्यक चिकित्सा उपकरणों के साथ आगरा से मांडले के लिए रवाना हो चुकी है।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक़र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह क्लेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मुक्केबाज स्वीटी ने दीपक पर मारपीट के कई नये आरोप लगाये

हिसार। पूर्व महिला मुक्केबाज स्वीटी बूरा और उनके पति कबड्डी खिलाड़ी पति दीपक हुड्?डा के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। हाल में स्वीटी ने अपने पति दीपक पर घरेलू हिंसा और मारपीट के आरोप लगाये थे। वहीं अब उसका कहना है कि दीपक पूरी रात पीटता था। इस कारण उसे पैनिक अटैक के कारण हॉस्पिटल में भी भर्ती होना पड़ा था। स्वीटी ने कहा कि तकिये से उसका मुंह दबाकर मुक्के मारे जाते थे। साथ ही कहा कि मारपीट के सबूत भी मेरे पास हैं। उसका कहना है कि दीपक ने उसका घर से बाहर निकलना तक बंद कर दिया था। उसे कई दिनों तक घर में बंद रखा गया। यहां तक कि उसकी गाड़ी और मोबाइल फोन तक दीपक ने अपने पास रख लिये। स्वीटी ने इसके साथ ही कहा दीपक लड़कों के साथ संबंध बनाता है। यह सबूत मैं कोर्ट में रखूंगी और इस आधार पर दीपक हुड्डा से तलाक मांगूंगी।

अंतिम ओवरों में टीम को जीत नहीं दिला पाये धोनी

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में धोनी सातवें नबंर पर उतरे पर अपने पहले वाले अंदाज में नहीं दिखे। जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे तो सीएसके को 12 गेंद में 39 रन जबकि अंतिम ओवर में 20 रनों की जरुरत थी पर वह उसे हासिल नहीं कर पाये और टीम को छह रनों से हार का सामना करना पड़ा। धोनी ने 11 गेंद में 16 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं रहा। उन्होंने 19वें ओवर में एक चौका और छक्का लगाया पर अंतिम ओवर में संदीप शर्मा की गेंद पर आउट हो गये जिससे टीम के हाथ से जीत का अवसर निकल गया।

धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर उठे सवाल

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल का 18 सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे शुरु के तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और उसके बाद राजस्थान रॉयल्स से हार मिली है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर भी सवाल उठे हैं। धोनी पिछले दोनो मैचों में नौवें और सातवें नंबर पर उतरे थे। वहीं प्रशंसक और पूर्व क्रिकेटर चाहते हैं कि धोनी ऊपरी क्रम में उतरते हुए लंबी पारी खेले।

लखनऊ सुपरजाइंट्स और पंजाब किंग्स में मुकाबला

दोनों ही टीमें जीत के लिए अपना पूरा जोर लगा देंगी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम का मुकाबला मंगलवार को यहां आईपीएल में पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए अपना पूरा जोर लगा देंगी। ऋषभ पंत की कप्तानी में सुपरजाइंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल करना रहेगा। सुपरजाइंट्स को अपने पहले मैच में हार मिली थी पर दूसरे मैच में उसने सनराइजर्स हैदाराबाद के खिलाफ जीत दर्ज कर अच्छी वापसी की है। इस मैच में निकोलस पूरन और मिचेल मार्श ने तेजी से अर्धशतक लगाये थे। टीम चाहेगी कि ये दोनो अब पंजाब के खिलाफ भी इसी लय को बनाये रखें। पूरन अभी तक सबसे ज्यादा छक्के और स्ट्राइक रेट के साथ रन बना रहे है। वहीं मार्श ने लगातर दो बार पचास से अधिक रन बनाये हैं। टीम की सफलता के बाद भी कप्तान ऋषभ के रन नहीं बनाने से टीम की चिन्ताएं बढ़ी हैं। वह शुरुआती दो मैच में शून्य और 15 रन की बना पाये हैं। अब उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर अपने आलोचकों को जवाब देना रहेगा। वहीं इस मैच में दो सबसे महंगे कप्तानों ऋषभ और श्रेयस अय्यर की भिड़ंत को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साहत रहेगा।

श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले आईपीएल में केकेआर टीम को खिताब जिताया था। इस बार आईपीएल की शुरुआत से ही श्रेयस ने अच्छा प्रदर्शन कर जमकर रन बनाये हैं। अय्यर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 42 गेंद पर नाबाद 97 रन बनाकर मैच विजेता पारी खेली थी। अय्यर अब इसी लय को जारी रखना चाहेंगे। उनके अलावा टीम की ओर से शशांक सिंह और प्रियांश आर्य ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे पंजाब के हौंसले बुलंद रहेंगे। पंजाब के पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और इंपेक्ट प्लेयर के रूप में उतरे मध्यम गति के गेंदबाज विजयकुमार वैशाख जैसे खिलाड़ी हैं। सुपरजायंट्स के लिए इस मामले में काफी परेशानी है क्योंकि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज चोटिल होकर बाहर हैं हालांकि शार्दुल ठाकुर के आने से टीम को राहत मिली है। शार्दुल ने पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

इकाना स्टेडियम की पिच गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों और धीमी गति के गेंदबाजों के अनुकूल है और दोनों टीम के स्पिनर मैच के परिणामों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। रवि बिश्नोई हालांकि लय में नहीं आये हैं ऐसे में टीम बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद को उतार सकती है। वहीं पंजाब के स्पिन आक्रमण की जिम्मेदारी स्पिनर युजवेंद्र चहल के पास रहेगी। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल का विकल्प भी उसके पास है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दोनों टीमों की अंतिम ग्यारह इस प्रकार है

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, ग्लेन मैक्सवेल, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस,अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विजयकुमार वैशाख, सूर्यांश शेडगे।

लखनऊ सुपरजाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, आयुष बडोनी, आवेश खान, , प्रिंस यादव, शारदुल ठाकुर और रवि बिश्नोई।

द्वितीय वर्ष टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया

बुदनी, निप्र। श्री कृष्ण यादव ग्वाल समाज सीहोर के तत्वाधान में द्वितीय वर्ष टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 28 मार्च से 30 मार्च तक आवासीय खेलकूद संस्थान में किया गया जिसमें मैच के फाइनल मुकाबला आगर मालवा और शुजालपुर के बीच खेला गया जिसमें आगर मालवा टीम ने प्रथम पुरस्कार 41000 रुपए एवं शील्ड देकर सम्मानित किया तो वहीं दूसरी उप विजेता टीम शुजालपुर को 21000 रुपए और ट्राफी देकर सम्मानित किया गया साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शील्ड ओर मेडल देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान कार्यक्रम में शामिल होने बुधनी से पधारे अखिल भारतीय ग्वाल महासभा के ज़िला अध्यक्ष भूपेन्द्र यादव का सभी समाजिक बंधुओं ने पुष्प माला पहनाकर साफा बांधकर जोरदार स्वागत किया।

खिलाड़ियों को मिलेगी नई सौगात

सीएम योगी करेंगे सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण

बरेली, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरेली आ रहे हैं। वह कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण कर खिलाड़ियों को नई सौगात देंगे।

खेलों को बढ़ावा और खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं देने के उद्देश्य से बरेली के स्पोर्ट्स स्टेडियम में बन रहा सिंथेटिक ट्रैक अब अपने अंतिम चरण में है। 400 मीटर लंबे और आठ लेन वाले ट्रैक के निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो जाने के बाद अब इसके लोकार्पण की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण करेंगे।

अधिशासी अभियंता अमित सिंह के मुताबिक एक से दो दिनों में सिंथेटिक ट्रैक के कागज स्टेडियम को सौंप दिए जाएंगे। इसके बाद गठित समिति इसकी जांच करेगी। जांच के बाद विभाग को पत्र भेजा जाएगा। वहां से अनुमति मिलने के बाद इसे स्टेडियम को हैंडओवर किया जाएगा।

सिडको को सौंपी गई थी जिम्मेदारी: स्पोर्ट्स स्टेडियम की ओर से खेल विभाग को भेजे गए प्रस्ताव के तहत इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिली थी, जिसके बाद निर्माण की जिम्मेदारी सिटी एंड इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन (सिडको) को सौंपी गई थी। खेल निदेशालय ने इसकी अंतिम तिथि 12 मार्च 2026 निर्धारित की थी, लेकिन निर्माण कार्य निर्धारित समय से पहले ही पूर्ण कर लिया गया है।

खिलाड़ियों को प्रदान करेगा सुविधाएं

इस ट्रैक की कुल लागत 9.55 करोड़ रुपये है। यह ट्रैक खिलाड़ियों के लिए बेहतर अनुभव प्रदान करेगा। इससे उनकी दौड़ने की क्षमता में सुधार होगा। आठ लेन वाले इस ट्रैक पर लंबी दौड़, स्प्रिंट, ऊंची कूद, लंबी कूद समेत आदि एथलेटिक्स स्पर्धाएं आयोजित की जा सकेंगी। स्टेडियम प्रशासन का कहना है कि इस ट्रैक के तैयार हो जाने से खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रशिक्षण मिलेगा और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भी कराई जा सकेंगी।

ड्रेनेज सिस्टम तैयार, बारिश के पानी की निकासी में नहीं होगी दिक्कत: ट्रैक को टिकाऊ और हर मौसम के अनुकूल बनाने के लिए इसमें अत्याधुनिक ड्रेनेज सिस्टम लगाया गया है। यह प्रणाली बारिश के पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करेगी, जिससे किसी भी प्रकार की जलभराव की समस्या न हो।

ट्रैक पर लाइनिंग और मार्किंग का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। यह प्रक्रिया ट्रैक पर दौड़ने के लिए सही लेन, दूरी और दिशा निर्धारित करने में मदद करेगी। इसके माध्यम से प्रतिस्पर्धा निष्पक्ष और व्यवस्थित रहती है।

राजगीर में होगा हीरो एशिया कप 2025

हॉकी इंडिया-बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

राजगीर, एजेंसी। बिहार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंद्र ने टूर्नामेंट की मेजबानी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी बिहार के लिए गर्व का विषय है।

बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन किया जाएगा। 29 अगस्त से सात सितंबर तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (ख्य) पर हस्ताक्षर किए गए। यह टूर्नामेंट हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे बिहार के बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे और अंतरराष्ट्रीय हॉकी में राज्य की मजबूत उपस्थिति का संकेत मिलता है। यह दूसरा मौका है जब राजगीर किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इससे पहले नवंबर 2024 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें भारतीय टीम ने खिताब जीता था।

एशिया की टॉप 8 टीमें लेंगी हिस्सा: इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एशिया की आठ टीमें भाग लेंगी, जिनमें भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया जैसी दिग्गज टीमें शामिल हैं। बाकी दो टीमें एएचएफ कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के जरिए अपनी जगह बनाएंगी। अगर एशिया कप के इतिहास की बात करें, तो दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है। दक्षिण कोरिया की टीम ने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में कुल पांच बार खिताब जीता है। इसके बाद भारत (2003, 2007, 2017) और पाकिस्तान (1982, 1985, 1989) ने तीन-तीन बार इस खिताब पर कब्जा जमाया है।

विश्वकप क्वालिफायर भी होगा यह टूर्नामेंट, बढ़ेगा रोमांच: हीरो एशिया कप 2025 की एहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए एक क्वालिफाइंग इवेंट है। यह विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट का विजेता टीम सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी, जिससे मुकाबले और भी रोमांचक हो जाएंगे। सभी टीमें खिताब जीतने और अपनी विश्व कप की सीट पक्की करने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगी।

व्यापार समाचार

बंगलादेश को होने वाले निर्यात में गिरावट, आयात स्थिर

अगरतला। बंगलादेश में पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से त्रिपुरा से इस देश को होने वाला निर्यात काफी घट गया है वहीं आयात की मात्रा लगभग स्थिर बनी हुई है। त्रिपुरा की उद्योग और वाणिज्य मंत्री संतना चकमा ने सोमवार को को बताया कि चालू वित्त वर्ष (फरवरी तक) में त्रिपुरा ने बंगलादेश से 625.14 करोड़ रुपये का सामान आयात किया, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 703.67 करोड़ रुपये और 2022-23 में 636.72 करोड़ रुपये था। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के फरवरी तक त्रिपुरा से बंगलादेश को केवल 50.07 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया, वहीं 2022-23 में यह 121.37 करोड़ रुपये और 2023-24 में सिर्फ 12.31 करोड़ रुपये था।

बीएसई की घोषणा: कंपनी अपने हर 1 शेयर पर देगी 2 फी शेयर

नई दिल्ली। बीएसई लिमिटेड कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उनकी कंपनी अपने इन्वेस्टर को 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। कंपनी के बोनस शेयर के प्रस्ताव पर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की तरफ से मंजूरी भी मिल गई है। इस पॉजिटिव खबर का असर आने वाले कारोबारी दिन मंगलवार 1 अप्रैल के ट्रेडिंग सत्र में देखने को मिल सकता है। एशिया की सबसे पुरानी स्टॉक एक्सचेंज के तौर पर पहचान रखने वाली बीएसई लिमिटेड की बीते 30 मार्च दिन रविवार को कंपनी की बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स की मीटिंग हुई थी। इस बोर्ड मीटिंग में कंपनी के बोर्ड मेंबर्स के सामने इन्वेस्टर्स को बोनस शेयर बांटने के प्रस्ताव को पेश किया गया था जिस पर बोर्ड मेंबर ने अपनी अप्रूवल दी है। इस बोनस शेयर के संबंध में किसी भी प्रकार का रिकॉर्ड डेट अभी नहीं जारी किया गया है।

वीआई को राहत, सरकार इक्विटी में बदल देगी बकाया 37 हजार करोड़

नई दिल्ली। आर्थिक संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) को सरकार से बड़ी राहत ?मिली है। वीआई ने बताया कि सरकार उसकी बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारी को इक्विटी शेयरों में बदल देगी, जिसकी कुल कीमत 36,950 करोड़ रुपए है। ?इससे कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 फीसदी से बढ़कर लगभग 49 फीसदी हो जाएगी। वीआई ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया, दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित टेलीकॉम सेक्टर के रिफॉर्म्स और सहायता पैकेज के तहत यह फैसला लिया है कि बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों जिसमें स्थगन अवधि खत्म होने के बाद चुकाई जाने वाली स्थगित देनदारियां भी शामिल हैं को इक्विटी शेयरों में बदला जाएगा।

नियामक ने पाइपलाइन शुल्क बदलने का रखा प्रस्ताव

सीएनजी और पाइप्ड गैस की कीमतों में नरमी की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल व गैस नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है। इस नीति के अमल में आने से उपभोक्ताओं को सस्ते दरों पर गैस उपलब्ध होने का अनुमान है। आइए इस बारे में जानें।

तेल व गैस नियामक पीएनजीआरबी ने नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचाने वाली पाइपलाइनों के लिए शुल्क निर्धारण की नई नीति का प्रस्ताव रखा है। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है तो इससे सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में नरमी दिख सकती है। नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है।

पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने प्राकृतिक गैस को इसके उत्पादन वाले क्षेत्रों से या आयात बंदरगाहों से ले जाने वाली पाइपलाइनों पर लगाए गए क्षेत्रीय शुल्कों में परिवर्तन के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज जारी किया है। यह बदलाव उन संयंत्रों के लिए किया गया है जो इससे बिजली बनाते हैं। इसके अलावे इसका असर उन उर्वरक इकाइयों पर पड़ेगा जो इससे यूरिया बनाती हैं। इसके अलावे इससे वे शहरी गैस इकाइयां भी इससे प्रभावित होंगे जो इसे ऑटोमोबाइल को बेचने के लिए सीएनजी में बदल देती हैं और खाना पकाने के लिए इसे घरेलू रसोई तक पहुंचाती हैं।

नियामक ने कहा, निवेश लाने और देश में विशेष रूप से सीएनजी और घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस (खाना पकाने के लिए घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाली) में गैस की खपत बढ़ाने के लिए एक और दूरगामी सुधार में, पीएनजीआरबी घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन में इस्तेमाल होने वाली पाइप्ड प्राकृतिक गैस की कीमत कम करने का प्रस्ताव लेकर आया है।

टैरिफ विनियमन के विभिन्न पहलुओं पर हितधारकों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज (पीसीडी) वेबहोस्ट किया गया है। इसके तहत एकीकृत टैरिफ जोन को तीन से घटाकर दो करने का प्रस्ताव रखा गया है।

पीएनजीआरबी प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए ट्रांसमिशन शुल्कों को नियंत्रित करता है। इन्हें नियोजित पूंजी पर 12 प्रतिशत मानक रिटर्न प्रदान करने के लिए तय किया जाता है। ये शुल्क, पारंपरिक रूप से, पाइपलाइन की लंबाई के साथ विभाजित किए जाते थे और गैस स्रोत से दूर जाने पर बढ़ाए जाते थे। इसके परिणामस्वरूप स्रोत से अधिक दूरी पर स्थित उपभोक्ताओं को अधिक शुल्क चुकाना पड़ता था। प्राकृतिक गैस के मूल्य निर्धारण में दूरी से संबंधित अव्यवस्था को हल करने के लिए, प्राकृतिक गैस ग्रिड से जुड़े सभी उपभोक्ताओं के लिए एक एकीकृत टैरिफ नवंबर 2020 में प्रस्तावित किया गया था और 1 अप्रैल, 2023 से लागू किया गया था।

टैक्स-बचत: आज से लागू होगी नई कर व्यवस्था

12.75 लाख रुपये तक कमाई करमुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण आयकर संशोधन किए गए हैं। एक अप्रैल से नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद करदाताओं को दिमागी कसरत से राहत मिलेगी और टैक्स प्लानिंग भी पहले से आसान हो जाएगी।

नई कर व्यवस्था में नए स्लैब के तहत 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 75,000 रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ 12.75 लाख रुपये तक हो जाएगी। 12 लाख रुपये की सीमा के ऊपर की आय पर टैक्स का भुगतान करना होगा।

सरकार ने नई कर व्यवस्था में आयकर कानून की धारा-87ए के तहत छूट की सीमा को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 60,000 रुपये कर दिया है। यह छूट सुनिश्चित करती है कि सालाना 12 लाख रुपये तक की कमाई पर करदाता के ऊपर कोई टैक्स देनदारी नहीं बनेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण के मुताबिक, नई संशोधित कर व्यवस्था में सालाना 12 लाख कमाने वाले करदाताओं को टैक्स में 80,000 रुपये का फायदा होगा।सालाना 16 लाख रुपये कमाने वाले करदाता को 50,000 रुपये और 18 लाख रुपये की कमाईकरने वाले व्यक्ति को कर के मोर्चे पर 70,000 रुपये का फायदा होगा। 20 लाख रुपये की आय पर 90,000 रुपये, 25 लाख की कमाईपर 1.10 लाख रुपये और 50 लाख रुपये की सालाना आय वाले करदाता को कुल 1.10 लाख रुपये का कर लाभ होगा।

गुड़ी पड़वा पर बजाज ने एक ही दिन में रिकॉर्ड 26,938 वाहनों की बिक्री की

19,017 बाइक और 6,570 इलेक्ट्रिक चेतक स्कूटर बेंचे

मुंबई (ईएमएस)। बजाज ने गुड़ी पड़वा के शुभ मौके पर महाराष्ट्र में एक ही दिन में रिकॉर्ड 26,938 वाहनों की बिक्री की। इसमें कंपनी की लोकप्रिय बाइक के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक भी शामिल है। कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक, 28 मार्च को मनाए गए महाराष्ट्रीय नववर्ष के दिन बजाज ने महाराष्ट्र में एक दिन में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। अनुमान के मुताबिक, यह बिक्री पिछले साल गुड़ी पड़वा पर हुई बिक्री से करीब दोगुनी रही और दिवाली जैसे बड़े त्यौहारों की तुलना में भी कहीं ज्यादा रही। पुणे स्थित बजाज ऑटो ने गुड़ी पड़वा के दिन कुल 19,017 बाइक और 6,570 इलेक्ट्रिक चेतक स्कूटर की ब्रिकी की है। जो चेतक की कुल बिक्री का करीब एक-चौथाई हिस्सा है। इसके अलावा कंपनी ने 658 केटीएम बाइक और 693 प्रीमियम ट्रायम्फ बाइक की भी बिक्री की।

कंपनी ने बताया कि यह रिकॉर्डतोड़ बिक्री हाल ही में लांच की गई प्रीमियम चेतक 35 सीरीज की जबरदस्त मांग के चलते हुई है। यह सीरीज 1 लाख रुपये से ऊपर की कीमत वाले सेगमेंट में आती है, इस सेगमेंट को कंपनी मजबूत करना चाहती है। चेतक 3502 की शुरुआती कीमत 1.30 लाख है, जबकि इसके ऊपरी वेरिएंट की कीमत 1.42 लाख तक जाती है।

1 लाख और उससे ऊपर की प्रीमियम कैटेगरी में बजाज की बाजार हिस्सेदारी पहले लगभग 15 प्रतिशत थी, जिसे यह नया प्रोडक्ट बढ़ाने में मदद कर सकता है। फिलहाल यह सेगमेंट इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार का

कार्यालय सहायक संचालक उद्यान जिला–रायसेन (म0प्र0)

Teliphone No. 07482-222053 ::::: Email id horti.raisen@mp.gov.in

क्रमांक/निविदा/उद्यान/भंडार/2024–25/2631-23 रायसेन, दिनांक 26/03/2025

// अल्प कालीन विज्ञप्ति //

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है, कि शासकीय उद्यान रोपणी वेरसला विकासखंड उदयपुरा जिला रायसेन के आम कलमी फलबहार का विक्रय निविदा प्रक्रिया द्वारा किया जाना है, आम फलबहार के क्रय हेतु इच्छुक व्यक्ति/संस्था दिनांक 29.04.2025 दिन मंगलवार को समय दोपहर 2:00 बजें से समय 04:00 बजें तक उद्यान अधीक्षक, शासकीय उद्यान रोपणी वेरसला विकासखंड उदयपुरा में उपस्थित होकर अपनी निविदा, निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा फार्म के साथ क्रेता को राशि रूपयें 10000/– (दस हजार रूपयें मात्र.) अग्रिम धरोहर नगद जमा करना होगा। निविदा उसी दिन समय 4:00 बजें निविदा कर्ताओं के समक्ष खोली जावेगीं। निविदा डालने के पूर्व शासकीय उद्यान रोपणी वेरसला विकासखंड उदयपुरा में आम कलमी फलबहार का अवलोकन कर सकते है, एवं संतुष्टि के उपरांत ही निविदा, निविदा बाक्स में डालें। निविदा की शर्तें निविदा फार्म के साथ संलग्न है। निविदा फार्म कार्यालयीन समय में उद्यान अधीक्षक, शासकीय उद्यान से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है।

आम कलमी शा0उ0रोपणी वेरसला विकासखंड उदयपुरा के फलबहार का विवरण।

क्रं.	नाम किस्म	पूर्ण फलन की स्थिति	अर्द्ध फलन की स्थिति	आंशिक फलन	बिना फले	कुल संख्या	औसत उत्पादन अनुमानित क्विंटल में
	आम कलमी फलबहार						
1	आम कलमी	25	20	15	340	400	20 to 25 Quntal
	योग	25	20	15	340	400	40 to 50 Quntal

G25002/24

सहायक संचालक उद्यान
जिला–रायसेन (म0प्र0)

पंचमुखी माता के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, 400 साल पुराना है इतिहास

खंडेरा माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि मेला शुरू

रायसेन, निप्र। रायसेन से 17 किलोमीटर दूर स्थित खंडेरा माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि का भव्य मेला शुरू हो गया है। यहां पांच मुख वाली छोले वाली मैया के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भक्त माता के दरबार में झंडा, छत्र और चुनरी चढ़ाकर आशीर्वाद ले रहे हैं।

चार सौ साल पुराना है मंदिर का इतिहास: मंदिर के पुजारी दिनेश दुबे के अनुसार, यह मंदिर करीब 400 साल पुराना है। यह स्थान आस्था और चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध है। हर साल भोपाल, इंदौर, रतलाम, विदिशा और सागर समेत कई शहरों से श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं।

खंडेरा गांव के निवासी रवि दुबे बताते हैं कि वर्षों पहले गांव में एक महामारी फैली थी, जिससे कई लोगों की मृत्यु हो रही थी। एक दिन पांच शवों की अंतिम यात्रा के दौरान एक संत ग्रामीणों से मिले और उन्हें यज्ञ करने की सलाह दी। यज्ञ के सातवें दिन एक चमत्कारी घटना घटी। छोले के पेड़ के नीचे से जमीन फटी और पांच मुख वाली देवी की प्रतिमा प्रकट हुई। ग्रामीणों ने माता को छोले वाली मैया नाम दिया। इसके बाद महामारी समाप्त हो गई। शुरुआत में प्रतिमा एक चबूतरे पर थी, लेकिन बाद में ग्रामीणों और समिति के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण हुआ।

गांव की अनोखी परंपरा: खंडेरा गांव में एक विशेष परंपरा निभाई जाती है। होली के दूज के दिन गांव में कोई धारदार औजार नहीं चलाया जाता। न तो घरों में सब्जी काटी जाती है और न ही किसान खेतों में फसल काटते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और ग्रामीण इसे माता की कृपा से जोड़कर देखते हैं।

सोलह श्रृंगार कर माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने मनाया गणगौर

रायसेन। रायसेन में माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर गणगौर की पूजा-अर्चना की। सोमवार को मुखर्जी नगर स्थित गुंजन राठी के निवास पर महिलाओं ने पति की दीर्घायु की कामना के साथ ईसर और गौरा की झांकी सजाई। समाज की प्रज्ञा और कोमल माहेश्वरी ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं ने गणगौर माता के गीत गाए और नृत्य किया। तोरण, वरमाला और अगवानी जैसी परंपरागत रस्मों का भी आयोजन किया। वेद पुराणों के अनुसार, 16 दिनों तक चलने वाले इस पर्व में मां पार्वती के मायके आगमन और भगवान शिव का उन्हें वापस लेने जाने की परंपरा है।

ईद की नमाज अदा, अमन-चैन की दुआ मांगी

रायसेन, निप्र। पवित्र माह रमजान के 30 दिन पूरे होने के बाद सोमवार को ईद का त्योहार बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सबसे पहले रायसेन शहर के सांची मार्ग पर स्थित ईदगाह पर नमाज अदा की गई। जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज में शामिल हुए।

सुबह 7:30 बजे नमाज मौलाना मांज साहब ने अदा कराई इसके बाद 7:40 बजे देश के अमन चैन और खुशहाली के लिए हजारों हाथ उठाकर दुआ मांगी गई। जिसमें छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग शामिल हुए। नमाज के बाद सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दी।

सभी लोग एक दूसरे का आदर करें भाईचारे से त्योहार मनाए शहर काजी: दरगाह शरीफ पर शहर काजी जहीरुद्दीन ने नवाज पढ़ाई उन्होंने बताया कि आज रायसेन जिले में ईद का त्योहार भाईचारे

और एक दूसरे के सहयोग कर मनाया जा रहा है। पूरे जिले में शांति है सभी लोग एक दूसरे का आदर करें जिले में शांति और सद्भावना के साथ हिंदू मुस्लिम त्योहार मनाए जाते हैं और आगे भी मनाए जाते रहेंगे। देश की खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई। देश में अमन चैन शांति बनी रहे। शहर की जामा मस्जिद में मोहम्मद बिलाल साहब, मरकज वाली मस्जिद में मुकर्रम हाफिज के द्वारा नवाज पढ़ाई गई।

छोटे बच्चों में दिखा उत्साह: ईद को लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। छोटे बच्चे अलग परिधानों में ईदगाह पहुंचे थे। आज पूरे दिन मुस्लिम समुदाय के घर दावतों का दौर जारी रहेगा। वहीं, अलग-अलग पकवान से लोगों का मुंह मीठा कराया जाएगा। इस मौके पर ईदगाह पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खुरपुसे, एसडीएम मुकेश सिंह, एसडीओपी प्रतिभा शर्मा, तहसीलदार हर्ष विक्रम, नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव, थाना प्रभारी संदीप चौरसिया मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य जारी

विदिशा। विदिशा जिले के लटेरी ब्लॉक अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यों का संपादन जनसहभागिता से हुआ है। गौरतलब हो कि राज्य सरकार के द्वारा 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है। उसी क्रम में जन अभियान परिषद लटेरी द्वारा छोटी मदन की बावड़ी कुंड में श्रमदान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में जनप्रतिनियों के साथ साथ ग्रामीणजनों एवं जन अभियान की टीम के सहयोग से अभियान को व्यापक रूप से गति दी जा रही है। जन अभियान परिषद की जिला समन्वय पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि जन अभियान परिषद की टीम गांव-गांव में पहुंचकर जन-जन तक जल गंगा संवर्धन अभियान सहित अन्य सभी योजनाओं को सफल बनाने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है।

डीजे की धुन पर नाचे युवक-युवती, लोधी समाज ने दी श्रद्धांजलि

वीरांगना अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर शोभायात्रा

विदिशा, निप्र। विदिशा में स्वतंत्रता संग्राम की पहली महिला शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का 167वां बलिदान दिवस मनाया गया। सोमवार को इस अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें युवक-युवतियां डीजे की धुन पर डांस करते हुए चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

शोभायात्रा गुलाब वाटिका से प्रारंभ हुई। यह दंडापुर, तिलक चौक और माधवगंज होते हुए रानी अवंतीबाई चौक बंटी नगर तक पहुंची। जहां इसका समापन हुआ और एक विशाल सभा का आयोजन किया गया।

वीरांगना के आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि: कार्यक्रम में विदिशा के साथ-साथ आसपास के जिलों से भी लोधी समाज के लोग शामिल हुए। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में

महिलाओं की भागीदारी रही। लोधी समाज के लोगों ने रानी अवंतीबाई के बलिदान को याद किया। 1857 की क्रांति में मध्य प्रदेश के रामगढ़ की महारानी अवंतीबाई रेवांचल मुक्ति आंदोलन की प्रमुख नेता थीं। उन्होंने देश की आजादी के लिए अंग्रेजों से ऐतिहासिक युद्ध किया और अपने प्राणों की आहुति दी।

वे स्वतंत्रता संग्राम में शहीद होने वाली पहली महिला वीरांगना थीं। समाज के लोगों का कहना था कि उनकी बहादुरी, साहस और निर्भीकता से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस एवं संस्कार कक्षा अवार्ड

मगधम रिजॉर्ट में सम्मानित हुए लायंस क्लब विदिशा अध्यक्ष लायन अरुण कुमार सोनी

विदिशा। लायंस क्लब विदिशा द्वारा लगभग 9 माह से लायन्स क्लब अध्यक्ष लायन अरुण कुमार सोनी एवं उनकी टीम के द्वारा पीड़ित मानव सेवा हेतु कई प्रकार की सेवा संचालित की जा रही है। जो की उनके वरिष्ठ पदाधिकारीयों द्वारा सराही जा रही है। लायंस क्लब मीडिया प्रभारी लायन सत्येंद्र धाकड़ ने बताया कि रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन संध्या शिलाकारी द्वारा रिद्धिमान रीजन कॉन्फ्रेंस का मगधम रिसोर्ट विदिशा में आयोजन किया गया। जिसमें 16 लायंस क्लब पदाधिकारीयों एवं डिस्ट्रिक्ट के विभिन्न वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में अभूतपूर्व कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस रीजन कॉन्फ्रेंस में चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस पर

उत्कृष्ट कार्य हेतु लायंस क्लब विदिशा अध्यक्ष लायन अरुण कुमार सोनी को चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस अवार्ड से सम्मानित किया गया इसके साथ ही आपके क्लब द्वारा संचालित बाल संस्कार कक्षा जिसमें की निर्धन गरीब बच्चों को एवं शासकीय स्कूल के बच्चों को संस्कार कक्षा के माध्यम से संस्कार एवं शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके लिए भी अध्यक्ष को संस्कार कक्षा अवार्ड से सम्मानित किया गया। आपके साथ ही क्लब ट्रेजरार लायन शाश्वत शर्मा को डायनामिक ट्रेजरार अवार्ड से सम्मानित किया गया। वाइस प्रेसिडेंट लायन डॉक्टर अमित नेमा को एप्रिशिएसन अवार्ड प्रदान किया गया। यह अवार्ड डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन मनीष शाह, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2 पीएमजेएफ लायन महेश मालवीय, पीडीजी एमजेएफ लायन अतुल शाह, रीजन चेयर पर्सन एमजेएफ लायन संध्या कमल शिलाकारी, जॉन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन राजेश जैन प्रीत, एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीयों के कर कमलों द्वारा प्रदान किए गए। लायंस क्लब विदिशा के पदाधिकारीयों को मिले इन अवॉर्ड की सभी दूर सराहना की जा रही है।

किन्नरों और अनाधिकृत वेंडरों पर की रोक लगाने की मांग

ग्राहक पंचायत ने स्टेशन मास्टर को सौंपा ज्ञापन, यात्रियों की सुरक्षा के लिए बताया खतरा

विदिशा, निप्र। विदिशा में ग्राहक पंचायत के सदस्यों ने रेलवे स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन रेल मंत्री और मंडल रेल प्रबंधक के नाम लिखा गया है। पंचायत ने ट्रेनों में अवैध रूप से यात्रियों से वसूली करने वाले किन्नरों और अनधिकृत वेंडरों की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की है। कुछ दिन पहले विदिशा के एक युवक को कुछ किन्नरों ने ट्रेन से धक्का दिया था जिससे उसकी मौत हो गई थी।

ग्राहक पंचायत के प्रतिनिधि विनोद शाह ने कहा कि रेलवे स्टेशनों और चलती ट्रेनों में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना जरूरी है। उन्होंने रेलवे पुलिस और रेल सुरक्षा बल को अधिक सक्रिय होने का आग्रह किया।

पंचायत की प्रमुख मांगों में शामिल हैं: - चलती ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर अवैध वेंडरों, किन्नरों और भिखारियों पर पूर्ण प्रतिबंध।

हर यात्री ट्रेन में रेल सुरक्षा बल की नियमित तैनाती। यात्रियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम।

ग्राहक पंचायत ने रेलवे प्रशासन और सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

स्कूलीय व शैक्षणिक समस्याओं हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

विदिशा। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में स्कूल चले हम अभियान के साथ साथ अन्य शैक्षणिक समस्याओं से शीघ्र अवगत होकर निराकरण की कार्यवाही संपादित कराने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय पर एक कंट्रोल रूम गठित कराया गया है। कलेक्टर सिंह के द्वारा जारी निर्देश के अनुपालन में की गई कार्रवाई की जानकारी देते हुए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा ने बताया कि कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 225 में संचालित कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर 7400507766 है। उक्त नम्बर पर सीधे चर्चा कर अथवा व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर समस्या संबंधी जानकारी दे सकते हैं। कंट्रोल रूम में जानकारियां प्राप्ति और पंजी में संधारित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को दो शिफ्टों में तैनात किया गया है।

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 24 घंटे में दोनों बाइकें बरामद

विदिशा, निप्र। नटेरन पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।29 मार्च को दो अलग-अलग शिकायतकर्ताओं ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पहले शिकायतकर्ता गोपी पिता हल्कु अहिरवार, सिलवाया खजूरी निवासी की हीरो एचएफ डीलक्स और दूसरे शिकायतकर्ता सतीश पिता ओमप्रकाश पंथी, वार्ड नंबर 3 बासौदा की हीरो स्प्लेंडर प्रो चोरी हुई थी।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम नरखेड़ा खड़िया से आरोपी कृष्णगोपाल पिता हरिराम जाटव (27) को गिरफ्तार किया। आरोपी कागपुर, थाना करारिया चौराहा का रहने वाला है। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और दोनों चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद करा दीं। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। टीम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे, एसडीओपी बासौदा मनोज मिश्रा और थाना प्रभारी नटेरन निरीक्षक मांगीलाल भाटी शामिल थे।

शाला में पहला कदम अभियान का शुभारंभ आज से

विदिशा। विदिशा जिले में एक अप्रेल से शाला में पहला कदम अभियान का क्रियान्वयन शुरू हो जायेगा। अभियान के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पूर्व में ही तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जा चुके हैं। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने ततंसबंध में दिशा-निर्देश दिए हैं कि अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो शासन स्तर से जारी निर्देशों का अक्षरश: कियान्वयन आयोजन के दौरान हो। डीपीसी ने बताया कि स्कूलो में प्रवेशोत्सव 2025 को शाला में पहला कदम अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है।

कार्यक्रम की रूप रेखा: हरेक स्कूल में उक्त आयोजन जनप्रतिनिधियों एवं जनसमुदाय की उपस्थिति में आयोजित किया गया है। इसके लिए पहले ही स्कूलों का आबंटन किया जा चुका है। अर्थात अभियान के

शुभारंभ अवसर पर कौन-कौन जनप्रतिनिधि किस किस स्कूल में पहुंचेगे। हरेक स्कूल में ढोल-बाजों के साथ बच्चों का तितक लगाकर एवं गुलदस्ते देकर स्वागत किया जाएगा। दीप-प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया जाएगा।

कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय: शाला में पहला कदम अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रमुख रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद अतिथियों एवं पालकों का उद्बोधन शामिल हैं।

नवाचार से लाभान्वित: शाला में पहला कदम अभियान बच्चों को स्मरणीय बनाने के लिए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा की गई नवाचार पहल तहत जिले के शासकीय स्कूलों की कक्षा एक के नवप्रवेशी सभी बच्चों को जनसहभागिता के माध्यम से नि:शुल्क एक एक किट प्रदाय की जायेगी उपरोक्त वितरण के बाद आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन होगा। डीपीसी ने बताया कि जिले के सभी शासकीय स्कूलों में दाखिला लेने वाले सभी 10032 बच्चों के लिए एक एक किट प्रदाय की व्यवस्था पहले ही क्रियान्वयन की जा चुकी है।

प्राचीन जल धरोहर व स्रोतों के जीर्णोद्धार हेतु उमड़ा जनसैलाब

विदिशा। जल की महत्वत्ता से हम सब भलि भांति परिचित हैं। आने वाली पीढ़ी को विरासत में प्रचुर जल भंडार दें इसी मंशा और उद्देश्यों की प्राप्ति से संचालित प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान की निहित बिंदुओं की विदिशा जिले में शत प्रतिशत सैचुरेशन के लिए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा विशेष पहल कर कार्य योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था युवा परिवर्तन सेवा समितियों के माध्यम से जल संवर्धन के कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष के आखिरी दिन शराब दुकानों पर लगी भीड

कम कीमतों पर बिक रही अंग्रेजी शराब

सिरोंज, निप्र। सिरोंज में वित्तीय वर्ष के आखिरी दिन शराब की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई। नए वित्तीय वर्ष से शराब के ठेके बदलने वाले हैं। कल से नए ठेकेदार के लोग दुकानों पर काबिज होंगे। जिले में इस साल 74 शराब दुकानों का ठेका 18.6 प्रतिशत बढ़ी कीमत पर नीलाम हुआ है। एक्साइज इंस्पेक्टर संजय इब्ने ने बताया है कि वर्तमान दुकानदारों को 31 मार्च तक अपना सारा स्टॉक बेचना है। ऐसा न होने पर उन्हें एक अप्रैल से नए ठेकेदार को

पूरा माल सौंपना होगा। स्टॉक खत्म करने के लिए दुकानदार भारी छूट दे रहे हैं। अंग्रेजी शराब 50 प्रतिशत तक के डिस्काउंट पर बेची जा रही है। लाल और सफेद देसी शराब का स्टॉक पहले ही समाप्त हो चुका है। आधी कीमत पर शराब मिलने के कारण लोग लाइन लगाकर खरीदारी कर रहे हैं।

भगवाध्वज यात्रा में गूंजे जयकारे, पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

निकली धार्मिक यात्राएं, झूलेलाल जयंती पर सिंधी समाज ने निकाली रैली

मंडीदीप, निप्र। मंडीदीप में हिंदू नव संवत्सर के अवसर पर विभिन्न धार्मिक आयोजनों की रौनक रही। चैती चांद पर सिंधी समाज ने भगवान झूलेलाल की याद में बाइक रैली निकाली। सिंधी धर्मशाला में बहिराणा साहब का पाठ और झूलेलाल की अमर कथा का वाचन हुआ। शाम को सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

हिंदू नववर्ष पर शाम 6 बजे श्रीराधा कृष्ण चौक से भगवाध्वज यात्रा निकाली गई। सनातन धर्म के अनुयायियों ने भगवा ध्वज लेकर नगर भ्रमण किया। यात्रा में जय श्री राम और सनातन संस्कृति के जयकारे लगे। करीब दो घंटे चली इस यात्रा में बड़ी संख्या में युवा और वरिष्ठजन शामिल हुए।

वार्ड क्रमांक 4 में श्रीमद् भागवत कथा के लिए दोपहर में कलश यात्रा निकाली गई।

कथावाचक कुलदीप कृष्ण आचार्य सजे हुए रथ पर विराजमान थे। पारंपरिक वेशभूषा में माताएं और बहनें सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। कथा स्थल पर पहुंचकर भागवत कथा का सांकेतिक शुभारंभ किया गया। कथा सोमवार दोपहर 1 बजे से हरिइच्छा तक चलेगी। नगर के गायत्री चेतना केंद्र पर नूतन वर्ष का विशेष आयोजन किया गया।

चैत्र नवरात्रि साधना के समय साधकों को नवरात्रि साधना का दर्शन एवं महत्व समझाते हुए अनुष्ठान का संकल्प कराया गया। विक्रम नव संवत्सर 2082 के स्वागत में महायज्ञ किया गया। गायत्री शक्ति पीठ पर दीपोत्सव के साथ श्रद्धालु केशर चंदन लगाकर नए संकल्प दिलाए गए। बुराइयों को त्यागने और अच्छाइयों को ग्रहण करने का संकल्प सूत्र बांधा गया।

नवागत थाना प्रभारी ने निकाला फ्लैगमार्च: आज नव समाचार गुड़ी पड़वा, नवरात्रि का पर्व और ईद जैसे त्योहार पर नगर में पुलिस ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए। जगह-जगह चेक पोइंट लागए और पुलिस जवान तैनात किए, जिससे नगर में कहीं जाम की स्थिति नहीं बनी।

फिर देर शाम पुलिस जवानों ने नगर में फ्लैग मार्च निकाला जो मंडीदीप थाने से नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई कदमताल करती पुलिस जवानों की टोली वापस थाना परिसर पहुंची।

ब्राह्मण महिला महापंचायत ने निकाली चुनरी यात्रा

सिरोंज। सर्व ब्राह्मण महिला महापंचायत ने रविवार को शहर में चुनरी यात्रा निकाली। शाम 4 बजे छतरी नाका चौराहा से शुरू हुई इस यात्रा में सबसे आगे चल रहे डीजे से माता के भजन गुंजायमान हो रहे थे। इसके बाद महापंचायत की सभी महिला सदस्यों ने हाथ में चुनरी थाम कर चल रहीं थी। महिलाएं माता रानी के जयकारे लगा रही थीं। बामौरा रोड, कस्टम पथ, कठाली बाजार, मुख्य बाजार, जनपद पंचायत कार्यालय और कोर्ट गेट से होते हुए यह यात्रा तहसील रोड पर पहुंचीं और यहां से महामाई दरबार की ओर बढ़ गई।

पहली बार गिद्ध को जियो टेक कर छोड़ा गया

विदिशा, निप्र। वन मंडल विदिशा के एवं रायसेन के अंतर्गत हलाली डैम के नजदीक एक यूरेशियन प्रजाति का गिद्ध को जीपीएस का टैग लगाकर छोड़ गया है।विदिशा जिले के अंतर्गत

विगत माह में हुई गणना में गिद्धों की विभिन्न प्रजातियां मिली थी एवं संख्या में वृद्धि देखने को मिली थी उसी के फल स्वरुप वन मंडल अधिकारी विदिशा के द्वारा एवं भोपाल से आएं प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री असीम श्रीवास्तव एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी श्री शुभरंजन सैन की उपस्थिति में गिद्ध को जिओ टेक कर छोड़ा गया है ।

वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव ने बताया कि विदिशा जिले में पहली बार इस प्रकार का प्रयोग किया गया है ,जो निश्चित रूप से गिद्धों के संरक्षण एवं संवर्धन में एक पहल होगी ।

प्रदेश व्यापी गणना में विदिशा जिले में गिद्धों की उपस्थित संख्या में ही नहीं बल्कि विभिन्न प्रजातियों के गिद्ध भी यहां वृध्दि पाई गई है।

वन मंडल अधिकारी श्री हेमंत यादव द्वारा विदिशा जिले में लगातार नवाचार किया जा रहा है जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं प्रदेश में गिद्धों की जिओ टैगिंग इसके पूर्व पन्ना में हुई थी और अब विदिशा जिले में हुई है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।